RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 पैसे कमाने के लिए फिजिकल...

वर्ष : 27 अंक : 197 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 07 जुलाई, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

उत्तर प्रदेश में पौधारोपण करेंगे योगी के मंत्री

योगी सरकार पूरे प्रदेश में लगायेगी 37 करोड़ पौधे

लखनऊ, (एजेंसी)। योगी सरकार ने बुधवार को होने वाले पौधरोपण महाभियान-2025 को अभूतपूर्व बनाने के लिए सारी तैयारी कर ली है। महाभियान के अंतर्गत एक ही दिन में पूरे प्रदेश में 37 करोड़ पौधरोपण किया जाएगा। सभी 75 जनपदों में योगी सरकार के मंत्री पौधरोपण करेंगे। वहीं सभी जनपदों में शासन स्तर के अधिकारियों को नोडल अफसर बनाया गया है, जो मंगलवार सुबह पहुंचकर यहां की सभी व्यवस्थाओं/तैयारियों का जायजा लेंगे। अभियान की सफलता के लिए वन विभाग के अलग-अलग अधिकारी को विभिन्न विभागों/मंत्रालयों से समन्वय स्थापित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या और आजमग? में पौधरोपण करेंगे। उनके साथ वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक भी रहेंगे। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी में पौधरोपण करेंगी। यहां प्रदेश सरकार की तरफ से राज्यमंत्री सतीश शर्मा रहेंगे। वहीं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ तथा ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण कर अभियान को सफल बनाएंगे।

योगी सरकार के मंत्रिगण सभी 75 जनपदों में रहेंगे। कैबिनेट, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्रि ?ों को पौधरोपण करने वाले जनपदों में बुधवार को पौधरोपण करना होगा। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

समन्वय स्थापित कर रहे वन विभाग के अधिकारी

पौधरोपण महाभियान-2025 की सफलता के लिए वन विभाग के अधिकारी सभी विभागों/मंत्रालयों से समन्वय स्थापित कर रहे हैं। महाप्रबंधक उत्पादन (वन निगम) संजय कुमार को ग्राम्य विकास, पंचायती राज, उद्यान व रेशम विभाग से समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रोजेक्ट टाइगर) ललित वर्मा लोक निर्माण, एमएसएमई, औद्योगिक विकास, महाप्रबंधक (कार्मिक) उप्र वन निगम सुजॉय बनर्जी रेलवे, पशुपालन, सहकारिता विभाग से को-ऑर्डिनेशन कर रहे हैं। मुख्य वन संरक्षक (ईको विकास) नीरज कुमार जलशक्ति, सिंचाई व जल संसाधन, नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति, राजस्व, पर्यावरण तथा आवास विकास विभाग से पौधरोपण के लिए समन्वय स्थापित कर रहे हैं। मुख्य वन संरक्षक (परियोजना) डॉ. के इलांगो को कृषि, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, परिवहन, ऊर्जा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य वन संरक्षक (मानव संसाधन विकास) एचवी गिरीश नगर विकास, गृह, रक्षा, श्रम विभाग से अभियान की सफलता को लेकर को-ऑर्डिनेट कर रहे हैं। वन संरक्षक (लुप्तप्राय) मनोज सोनकर को महाभियान को सफल बनाने की बेसिक, माध्यमिक, उच्च व प्राविधिक शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

सभी 75 जनपदों के नोडल ऑफिसर नियुक्त

योगी सरकार ने पौधरोपण महाभियान की सफलता के लिए सभी 75 जनपदों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। नोडल अफसर आवंटित जनपदों में मंगलवार सुबह ही पहुंचकर यहां की सभी तैयारियों का जायजा लेंगे। प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज प्रयागराज, पेयजल मिशन ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. राजशेखर वाराणसी, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद जौनपुर, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की सचिव डॉ. पिंकी जोवेल मीरजापुर, सिंचाई विभाग के सचिव जीएस नवीन आजमगढ़, खेल सचिव सुहास एलवाई गोरखपुर, स्कूल शिक्षा की महानिदेशक कंचन वर्मा गोंडा, प्रमुख सचिव सिंचाई व जल संसाधन अनिल गर्ग अयोध्या, सचिव बेसिक शिक्षा सारिका मोहन बाराबंकी, प्रमुख सचिव (चिकित्सा स्वास्थ्य) पार्थसारथी सेन शर्मा लखनऊ, आवास आयुक्त बलकार सिंह मेरठ, प्रमुख सचिव (नगर विकास) अमृत अभिजात गाजियाबाद, प्रमुख सचिव (पर्यटन-संस्कृति) मुकेश मेश्राम नोएडा के नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा भी अन्य सभी जनपदों में नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है।

मेट्रो के बोटैनिकल गार्डन स्टेशन के पास केबल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के व्यस्ततम बोटैनिकल गार्डन स्टेशन के पास चोरों ने मेट्रो की आरसी कॉपर केबल चोरी कर ली। चोरों ने करीब 526 मीटर वायर को चोरी कर लिया। दिल्ली मेट्रो में कार्यरत सेक्शन इंजीनियर ने थाना सेक्टर 39 में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्शन इंजीनियर अविनाश कुमार ने बताया कि 3 जुलाई को वह जनरल ड्यूटी में देना था। टीसी से सूचना मिलने पर वह और उनका स्टाफ बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर गए। स्टेशन कंट्रोलर से ट्रैक एक्सेस लेकर उन्होंने बोटैनिकल गार्डन डेड इंड की तरफ वायर चेक की। इस दौरान पता चला कि केवल मास्टर संख्या 36,38 से 36,48 के बीच चार आरसी कॉपर केबल गायब थी। उन्होंने बताया कि चोर करीब 526 मीटर वायर को चोरी कर ले गए। पुलिस का कहना है कि सेक्शन इंजीनियर की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की तलाश की जा रही है। मामले का खुलासा करने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को भी खंगाला जा रहा है।

मोबाइल लेने पर बिफरी पत्नी, पहुंची थाने

नोएडा (चेतना मंच)। पत्नी का मोबाइल फोन लेकर उसमें खोजबीन करना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। पति की हरकत से गुस्साई पत्नी थाने जा पहुंची और अपने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी। पति-पत्नी के विवाद का यह मामला थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के दल्लूपुरा गांव का है। मोहियापुर गांव में पंचर की दुकान चलाने वाला रूपचंद अपने परिवार के साथ दल्लूपुरा गांव में रह रहा है। उसकी पत्नी एक आईटी कंपनी में हाउसकीपिंग का काम करती है। बीती रात्रि रूपचंद ने अपनी पत्नी का मोबाइल फोन ले लिया और उसमें खोजबीन करने लगा। रूपचंद के हाथों में अपना मोबाइल फोन देखकर उसकी पत्नी आपे से बाहर हो गई और दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा शुरू हो गया। पति-पत्नी के बीच मारपीट हुई। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

महिला की मौत के मामले में एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कार की टक्कर लगने से यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुई महिला की मौत के मामले में परिजनों ने थाना नॉलेज पार्क में मुकदमा दर्ज कराया है। महिला की उपचार के दौरान सैफई में मौत हो गई थी।

जनपद इटावा निवासी वेद प्रकाश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 मार्च को मैं अपने बेटे शिवम व पत्नी शांति देवी के साथ दिल्ली से अपने घर इटावा जाने के लिए परी चौक जीरो पॉइंट पर बस का इंतजार कर रहा था। इस दौरान तेज गति में आई कार ने उनकी पत्नी शांति देवी को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में उनकी पत्नी के सिर में गंभीर चोटें आई। मौके पर मौजूद पुलिस वालों ने कार को अभिरक्षा में ले लिया और उनकी घायल पत्नी को उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। वेद प्रकाश के मुताबिक वह अपनी पत्नी को उपचार के लिए सैफई ले गए और यूपी यूएमएस में भर्ती कराया। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

डीएलएफ मॉल की शॉप से कैश चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के डीएलएफ मॉल ऑफ़ इंडिया स्थित गाइस स्टोर में काम करने वाला पूर्व कर्मचारी 158940 रुपए चोरी से निकाल कर ले गया। कर्मचारी की यह हरकत स्टोर में लगे कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। स्टोर के असिस्टेंट मैनेजर ने आरोपी के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

गाइस स्टोर के असिस्टेंट मैनेजर ने रिपोर्ट में बताया कि 3 जुलाई की रात्रि को वह स्टोर बंद कर घर चला गया था। उसने पूरे दिन भर की बिक्री के 158940 रूपये गिनकर अपनी ड्रॉ में रख दिए 4 जुलाई की सुबह जब स्टोर पर आया और बैंक को पैसे जमा करने के लिए ड्रॉ खुली तो उसमें रखा कैश गायब था। उसने अपने स्टाफ से कैश के बारे में पूछताछ की लेकिन कोई पता नहीं चला। स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरा की फोटोस देखने पर पता चला कि सुबह के समय उनके यहां पहले काम करने वाला स्टोर बाय सोनू सोनी निवासी सॉन्ग बाजार स्टोर में आया और पैसे निकाल कर ले गया। उन्होंने सोनू सोनी के मोबाइल फोन पर बात कर उसे स्टोर आने को कहा तो वह आना-कानी करने लगा और पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस का कहना है कि असिस्टेंट मैनेजर की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है उसकी तलाश की जा रही है।

जालसाज ने वकील को ठगा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। साइबर जालसाजों ने एक अधिवक्ता को झांसे में लेकर उनसे 20 हजार रूपये ट्रांसफर करा लिए। जालसाज ने खुद को अधिवक्ता का परिचित बताते हुए अपनी मां की बीमारी का हवाला देकर पैसे मंगवा लिए। ठगी का एहसास होने पर पीड़ति ने थाना जारचा में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम मिल्क खटाना निवासी सोनू सिंह एडवोकेट ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके भाई जितेंद्र कुमार एडवोकेट के मोबाइल फोन पर 15 जुलाई 2024 को एक नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को अशोक कुमार एडवोकेट बताते हुए उनके परिचित बताया। कथित अशोक कुमार ने बताया कि उसकी माताजी की हालत गंभीर है और अस्पताल में भर्ती है और उनके मोबाइल पर पैसे ट्रांसफर नहीं हो पा रहे हैं। अशोक कुमार ने जितेंद्र कुमार के मोबाइल पर 20000 किसी और नंबर से भेजने की बात कही। तसल्ली के लिए उसने शुरुआत में उनके अकाउंट में 10 रूपये ट्रांसफर किया। इसके बाद उनके मोबाइल पर खाते में 20000 रूपये आने का मैसेज आया। खाते में 20000 रूपये आने पर जितेंद्र कुमार ने कथित एडवोकेट अशोक कुमार द्वारा भेजे गए बारकोड पर 20000 रूपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ समय बाद जब एडवोकेट जितेंद्र कुमार ने अपने बैंक जाकर खाते की डिटेल ली तो पता चला कि उसमें 20000 रूपये की कोई ट्रांजैक्शन नहीं हुई है। ठगे जाने का एहसास होने पर उन्होंने उक्त नंबर पर बात करने का प्रयास किया, लेकिन वह स्विच ऑफ मिला। उन्होंने इसकी शिकायत राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर की और एक शिकायत प्रार्थना पत्र थाने में दिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर जालसाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए

भंडारा खाकर लौट रहे युवकों को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र के फलेंदा गांव में भंडारा खाकर घर लौट रहे दो युवकों को लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। घायल करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। ग्राम फलेदा निवासी राधे ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि वह 6 जुलाई को अपने दोस्त बबली के साथ शनिदेव मंदिर पर आयोजित भंडारे से प्रसाद खाकर वापस अपने घर आ रहा था। रास्ते में मौजूद गांव के ही कालू, नितिन, प्रशांत एवं राकेश आदि ने उन्हें रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। उसने जब गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने लाठी डंडों से उस पर हमला बोल दिया। इस दौरान उसे बचाने आए बबली के साथ भी अ ारोपियों ने मारपीट की। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गाजियाबाद की दो पेपर फैक्टरी में लगी आग

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के लोनी थानाक्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में स्थित ईशान पेपर्स (पी) और विकास ओवरसीज क्राफ्ट्स फैक्टरी में सोमवार सुबह करीब सात बजे आग लग गई। उस दौरान फैक्टरी के अंदर कर्मचारी भी मौजूद थे। आग की लपटें और धुआं होने पर कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। कड़ी मशक्कत के बाद फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। सोमवार सुबह गाजियाबाद में दो जगह आग लगने की घटना हुई है।

स्थानीय लोगों की सूचना पर वैशाली, साहिबाबाद, मुरादनगर, लोनी, हापुड़ फायर स्टेशन से 18 वाटर टेंडर मौके पर भेजकर आग बुझाने का काम शुरू किया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि ईशान पेपर्स के बेसमेंट में भरे पेपर रोल से आग ने भीषण रूप लिया था। वहीं विकास ओवरसीज क्राफ्ट्स की पहली मंजिल पर भी कागज और पेपर रोल भरे पड़े थे जिनमें आग धधकी थी। सैक्टर की दीवार तोड़कर दमकल की टीम ने आग बुझाई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि आग को बुझा लिया गया है। लेकिन कूलिंग का काम फिलहाल जारी है।

चोरी, लूट व गौकशी में शामिल बदमाश पुलिस की गोली से घायल

गाजियाबाद (ब्यूरो) थाना लोनी पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान गौकशी व चोरी की घटना में शामिल दो बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 2 अवैध तमंचा, 2 खोखा कारतूस, 1 अदद लोहे की नुकीली रॉड व 2 अदद रस्सी, 2 दाव (छुरे) गौकशी करने के उपकरण व 1 स्पेलण्डर मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

थाना लोनी पुलिस टीम द्वारा अपराध की रोकथाम के लिए गढी सबलू रोड समाधि के पास चेकिंग की जा रही थी तभी 2 बाइक सवार व्यक्ति राशिद अली गेट की ओर से आते दिखाई दिए जिन्हें पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया गया तो दोनों बाइक लेकर गढी सबलू गांव की तरफ भागने लगे, तभी उनकी मोटरसाइकिल गढी सबलू रोड

खडखडी फाटक से 100 कदम पहले फिसल गई। पुलिस टीम द्वारा पकड़ने का प्रयास किया गया तो उन लोगों ने पुलिस टीम पर फायर किया। टीम द्वारा बचाव करते हुये जवाबी कार्यवाही में फायर किये जिसमें दोनों के पैरों मे गोली लगी। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बिल्डर ने खेला बड़ा खेल एक फ्लैट दो लोगों को बेचा

पीड़ित महिला को जान से मारने की दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बिल्डरों द्वारा पैसे लेकर फ्लैट पर कब्जा न देने तथा एक ही फ्लैट को दो लोगों को बेचने के मामले अक्सर प्रकाश में आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला थाना सूरजपुर क्षेत्र में प्रकाश में आया है। यहां बिल्डर ने एक फ्लैट दो लोगों को बेच दिया। कर्ज अदायगी न होने पर जब बैंक से नोटिस आया तो महिला को अपने साथ बिल्डर द्वारा की गई धोखाधड़ी का पता चला। पीड़ित महिला ने थाना सूरजपुर में बिल्डर सहित दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

सेक्टर 100 में रहने वाली हेमलता शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने वर्ष 2015 में वोकेशनल एजुकेशन फाऊंडेशन (वीईएफ) व्हाइट हाउस अपार्टमेंट में एक फ्लैट बुक किया था। 28 दिसंबर 2015 को अधिकृत अधिकारी अभिजीत कुमार द्वारा उन्हें फ्लैट का अलॉटमेंट लेटर दे दिया गया। उन्हें टावर में 19 वे **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

श्री राम यूनिवर्सल स्कूल ने गाड़े सफलता के झंडे

बेस्ट हॉलिस्टिक स्कूल व 'बेस्ट विजनरी लीडर' के पुरस्कार से सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बन चुके श्री राम यूनिवर्सल स्कूल ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा सहित देश भर में अपनी सफलता के झंडा गाड दिए हैं। स्कूल द्वारा छात्रों की शैक्षणिक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक विकास के प्रति स्थापित किए गए मानकों को वर्ल्ड स्कूल समिट-2025 में बड़ा सम्मान दिया गया है। वहीं स्कूल के वाइस चेयरमैन और शिक्षाविद योगेंद्र सिंह को भी उनके प्रयासों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है।

बैंकॉक के थाईलैंड में आयोजित वर्ल्ड स्कूल समिट-2025 में पूरे देश के लगभग 1008 स्कूलों ने आवेदन किया था। इसमें 25 देश के 50 स्कूल सलेक्ट किए गए थे। भारत से ग्रेटर नोएडा वेस्ट,

मुंबई, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश एवं कोलकाता सहित 6 स्कूलों ने पार्टिसिपेट किया था। स्कूल प्रबंधकों द्वारा किए गए शिक्षा के क्षेत्र में कार्य तथा उनके विचारों को सुनकर पैनललिस्ट ने उन्हें सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित श्री राम यूनिवर्सल स्कूल को बेस्ट हॉलिस्टिक स्कूल के रूप में सम्मानित किया गया। स्कूल के वाइस चेयरमैन तथा शिक्षाविद योगेंद्र सिंह को 'बेस्ट विजनरी लीडर' अवार्ड से नवाजा गया। शिक्षा क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने वाइस चेयरमैन योगेंद्र सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि उनकी नवाचार पूर्ण सोच और उनके शिक्षा के क्षेत्र में किए गए बेहतर प्रयासों ने श्रीराम यूनिवर्सल स्कूल की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी लीडरशिप और विजन शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए प्रेरणास्तोत्र बना हुआ है। इस तरह की लीडरशिप से छात्रों के समग्र विकास का माहौल बनता है।

श्री राम यूनिवर्सल स्कूल को 'बेस्ट हॉलिस्टिक स्कूल' तथा स्वयं को बेस्ट विजनरी लीडर अवार्ड मिलने पर स्कूल के वाइस चेयरमैन योगेंद्र सिंह ने पैनललिस्ट का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्कूल के संस्थापक विजेंद्र सिंह मुंशी जी के विचारों से प्रेरित होकर शिक्षा के क्षेत्र में वह बेहतर से बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा में शिक्षा क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इसमें स्कूल के संस्थापक विजेंद्र सिंह मुंशी जी की भूमिका अहम है। उनकी प्रेरणा से ही स्कूल ने देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

योगेंद्र सिंह ने बताया कि थाईलैंड में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के स्कूल संस्थापकों ने हिस्सा लिया। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

हिमाचल में तबाही

हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। लगातार बादल फटने के बाद भयावह मंजर हमारे सामने उभरा है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का मंजर निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों,सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। यहां ढली इलाके में कई इमारतें गंभीर खतरे की जद में आ चुकी हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। वास्तव, में हिमाचल व उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। विकास के नाम पर हमने पहाड़ों को काटकर चौड़ी सड़कें बना दी और इससे लगते पहाड़ों की जड़ें खोखली कर दी,जिससे भूस्खलन की गति अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। इस तरह हमने परंपरागत हल्की छत वाले घरों के बजाय भारी-भरकम कंक्रीट की छतों वाले घरों को प्राथमिकता दी है। हिमाचल में लाहौल-स्पीति को जोड़ने वाली अटल सुरंग इंजीनियरिंग का चमत्कार हो सकती है, लेकिन इसके अवरोध के बाद पुरानी रोहतांग दर्रा सड़क पर वापसी साबित करती है कि आपातकालीन योजना ने बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ तालमेल नहीं रखा है। इसी तरह कांगड़ा घाटी में रेल यात्रा में व्यवधान विरासत के बुनियादी ढांचे के प्रति आधिकारिक उदासीनता को ही दर्शाता है। यह रेलवे लाइन अभी दूर-दराज के इलाकों के लिये जीवन रेखा जैसी ही है। शिमला के ढली के पास खराब निर्माण और लापरवाही ने कई इमारतों और लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है। जो हमारे अवैज्ञानिक विकास की कीमत चुका रहे हैं। दरअसल,हमें अतीत की आपदाओं से सबक लेकर भविष्य की विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करनी होगी। पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। हमें मानना होगा कि पहाड़ विलासिता के लिये प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवनयापन के लिये होते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सब देवता बैठकर विचार करने लगे कि प्रभु को कहाँ पावें ताकि उनके सामने पुकार (फरियाद) करें। कोई बैकुंठपुरी जाने को कहता था और कोई कहता था कि वही प्रभु क्षीरसमुद्र में निवास करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जाके हृदयँ भगति जसि प्रीती। प्रभु तहँ प्रगट सदा तेहिं रीती॥
तेहिं समाज गिरिजा मैं रहेऊँ। अवसर पाइ बचन एक कहेऊँ॥

जिसके हृदय में जैसी भक्ति और प्रीति होती है, प्रभु वहाँ (उसके लिए) सदा उसी रीति से प्रकट होते हैं। हे पार्वती! उस समाज में मैं भी था। अवसर पाकर मैंने एक बात कही- ॥

हरि ब्यापक सर्बत्र समाना। प्रेम तें प्रगट होहिं मैं जाना॥
देस काल दिसि बिदिसिहु माहीं। कहहु सो कहाँ जहाँ प्रभु नाहीं॥

मैं तो यह जानता हूँ कि भगवान सब जगह समान रूप से व्यापक हैं, प्रेम से वे प्रकट हो जाते हैं, देश, काल, दिशा, विदिशा में बताओ, ऐसी जगह कहाँ है, जहाँ प्रभु न हों॥

अग जगमय सब रहित बिरागी। प्रेम तें प्रभु प्रगटइ जिमि आगी॥
मोर बचन सब के मन माना। साधु-साधु करि ब्रह्म बखाना॥

वे चराचरमय (चराचर में व्याप्त) होते हुए ही सबसे रहित हैं और विरक्त हैं (उनकी कहीं आसक्ति नहीं है), वे प्रेम से प्रकट होते हैं, जैसे अग्नि। (अग्नि अव्यक्त रूप से सर्वत्र व्याप्त है, परन्तु जहाँ उसके लिए अरणिमन्थनादि साधन किए जाते हैं, वहाँ वह प्रकट होती है। इसी प्रकार सर्वत्र व्याप्त भगवान भी प्रेम से प्रकट होते हैं।) मेरी बात सबको प्रिय लगी। ब्रह्माजी ने साधु-साधु कहकर बड़ाई की॥

(क्रमशः...)

जाम के झाम से मुक्ति के हों पुख्ता इंतजाम

इस 27 जून को इंदौर-देवास हाईवे पर करीब पर 40 घंटे तक 8 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें 4000 से ज्यादा वाहन फंस गए थे। इस दौरान 3 लोगों की जान चली गई। 14 जून को केरल के कन्नूर में कोट्टियूर के पास एक तीन वर्षीय बच्चे की अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस के भीषण ट्रैफिक जाम में फंस जाने से मौत हो गई।

7 जून दिल्ली से आए एक 62 वर्षीय पर्यटक कमल किशोर टंडन की मसूरी में भीषण ट्रैफिक जाम में फंसने के बाद अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। 6 मई उप्र के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र में एक डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और राजमार्ग पर तीन घंटे तक जाम फंसे रहने की वजह से उसे वक्त पर उचित उपचार नहीं मिला और इस वजह से उसकी मौत हो गई।

24 अप्रैल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मुख्य बाजार देहरा में समय सड़क निर्माण कार्य के कारण लगे भारी जाम ने 75 साल के बुजुर्ग की जिंदगी छीन ली। 24 फरवरी कोटा राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर दरा नाल में लगने वाले भीषण जाम ने एक मासूम की जान ले ली। ये तो बानगी भर है। इस तरह की खबरें अक्सर सुनने, पढ़ने और देखने को मिलती हैं। दो चार दिन के हो हल्ले के बाद गाड़ी पुराने ढर्रे पर दौड़ने लगती है।

ताजा प्रकरण इंदौर-देवास हाईवे पर 40 घंटे के जाम का है। 40 घंटे का जाम था...कोई सोच भी नहीं सकता कि आज़ादी के 75 साल बाद, 40 किलोमीटर का रास्ता तय करने में 40 घंटे लग सकते हैं। दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने में आमतौर पर 16 से 20 घंटे लगते हैं। मतलब जितने में दिल्ली से न्यूयॉर्क की फ्लाइट का आना जाना हो जाए, उतने में इंदौर से देवास नहीं पहुंच सके। इंदौर से देवास तक का रास्ता महज़ 40 किलोमीटर है।

मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट ने फटकार लगाते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआई को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया था। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। 30 जून को अदालत में जवाब देते हुए एनएचएआई के वकील ने कहा कि लोग बिना जरूरी काम के इतनी सुबह घर से बाहर निकलते ही क्यों हैं? एनएचएआई की इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया।

उनके इस बयान को सुनकर लोगों को ऐसा लग रहा है कि एनएचएआई घटना की जिम्मेदारी लेने से बच रहा है और घटना के लिए आम लोगों को ही दोषी बताने की कोशिश कर रहा है। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। विवाद बढ़ने पर एनएचएआई ने कहा कि,यह टिप्पणी अथॉरिटी के आधिकारिक

डॉक्टरों के अनुसार, जाम में फंसने वालों को अकसर ब्लड प्रेशर बढ़ने, बर्नआउट, सांस की बीमारी, डिहाईड्रेशन, फीवर, घबराहट, सीने में दर्द आदि बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गंभीर मरीज लंबे समय तक जाम में फंस जाए तो उसकी मौत भी हो सकती है।

विचारों को नहीं दर्शाती।

देश में जहां एक तरफ ट्रैफिक की समस्या से निजात पाने के लिए सड़कों, हाई-वेज और एक्सप्रेस-वेज को बनाने का काम जोरों-शोरों पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे शहर भी हैं, जो अंदरूनी ट्रैफिक से काफी ज्यादा परेशान हैं। असल में, ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़े ही नहीं बल्कि छोटे शहर भी जूझते हैं। लेकिन बड़े शहरों में यह एक संकट का रूप लेने लगा है।

एक जानकारी के मुताबिक एक घंटे जाम में एक लीटर ईंधन बर्बाद होता है। जितनी ईंधन की खपत होगी, उतना ही ज्यादा सीओटू उत्सर्जन भी होगा, जो पर्यावरण और प्रदूषण के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदायक होता है। एक अनुमान के अनुसार, महानगरों में और हाईवे पर देश में हर साल लगने वाले ट्रैफिक जाम से हर साल तकरीबन 1.4 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो रहा है।

टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2024 के अनुसार, देश में कोलकाता का ट्रैफिक सबसे धीमा है। बेंगलुरु ने इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बनाई है। कमोबेश ऐसे हालात दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, चंडीगढ़, गुरुग्राम, लखनऊ, जयपुर, कानपुर, अमृतसर, अहमदाबाद, वाराणसी और देश के अन्य महानगरों और शहरों के हैं।

डाक्टरों के अनुसार, जाम में फंसने वालों को अकसर ब्लड प्रेशर बढ़ने, बर्नआउट, सांस की बीमारी, डिहाईड्रेशन, फीवर, घबराहट, सीने में दर्द आदि बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गंभीर मरीज लंबे समय तक जाम में फंस जाए तो उसकी मौत भी हो सकती है। 2022 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि यदि अब जाम में एंबुलेंस फंसी तो इसे अपराध माना जाएगा और मरीज को नुकसान पहुंचाने के तहत कार्रवाई की जाएगी। बावजूद इसके स्थिति में कोई खास फर्क दिखाई नहीं देता।

इसमें दो राय नहीं कि सड़कों के नेटवर्क सुधार से उपभोक्ताओं के समय व धन की बचत हुई है तो उद्योग-व्यापार को भी गति मिली है। लेकिन इससे जुड़ी तमाम विसंगतियां भी सामने आई हैं। सड़कों के त्रुटिपूर्ण डिजाइन व निर्माण में चूक को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। वहीं अकसर बड़ी सड़कों और राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण के दौरान अंतहीन असुविधा भारतीय यात्रियों के लिए रोजमर्रा के अनुभव हैं। अधिकांश साइटों पर निर्माण से जुड़ी, यात्रियों के अनुकूल सर्वोत्तम परंपराओं को अपनाना और यातायात में व्यवधान को कम से कम करना सुनिश्चित नहीं किया जाता है।

जानकारों के मुताबिक, जाम की समस्या को खत्म करने के लिए सबसे पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ाना होगा। इसके अलावा लोगों को कार पूलिंग के लिए जागरूक करना होगा जिससे सड़क पर वाहनों की संख्या को कम किया जा सके। सड़क पर जाम का एक बड़ा कारण जगह-जगह कट का होना भी है। पैदल और छोटे वाहनों के आवागमन के लिए मुख्य सड़कों के साथ सर्विस रोड बनाए जाने से भी जाम की समस्या से निजात पाया जा सकता है। जिन स्थानों पर घनी आबादी के चलते सर्विस रोड नहीं बनाए जा सकते। वहां एलिवेटेड रोड, अंडरपास और फ्लाईओवर आदि का निर्माण किया जा सकता है।

जाम से जूझते शहरों में सड़कों की भीड़भाड़ कम करने के लिए केंद्र सरकार सरकार ने राज्यों की राजधानियों समेत दस लाख से अधिक आबादी वाले 94 शहरों में जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए रिंग रोड, बाईपास समेत अन्य उपाय करने की योजना बनाई है। यूपी में लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए पुलों, रिंग रोड और बाईपास का जाल बिछाया जाएगा। इनके निर्माण पर लोक निर्माण विभाग वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 6124 करोड़ रुपए का बजट खर्च करेगा। सीएम योगी के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी की ओर से यह खाका खींचा गया है।

निस्संदेह, देश के शहरों में आए दिन जाम लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शासन-प्रशासन को इसके तार्किक समाधान की दिशा में वैज्ञानिक तरीके से गंभीरता के साथ प्रयास करने चाहिए। जाम की सूचना मिलने पर उसे खुलवाने की तत्काल पहल होनी चाहिए। यात्रियों के लिये तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। निश्चय ही, इंदौर-देवास हाईवे की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसको लेकर शासन-प्रशासन के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई को गंभीरता से लेना चाहिए। उन तमाम आशंकाओं को टालना चाहिए जो भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के कारक बन सकते हैं।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ
(स्वतंत्र पत्रकार)

आर्थिकी-रोजगार बढ़ा रहा सहकारिता क्षेत्र

वर्ष 2024 में भारत के सहकारी क्षेत्र ने दुनिया में धूम मचा दी और उसके दो सहकारी संगठनों को पहले और दूसरे पायदान पर रखा गया। ये हैं इफको और जीसीएमएमएफ जिसका अमूल ब्रांड सारे देश में जाना जाता है। इन दोनों ने अपने कामकाज और टर्नओवर से सारी दुनिया में अपना डंका बजवाया। इफको, जिसका पूरा नाम इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड है, विश्व की सबसे बड़ी उर्वरक सहकारिता संस्था है। यह किसानों को सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए 1967 में स्थापित की गई थी। इफको मुख्य रूप से उर्वरकों के उत्पादन और विपणन में संलग्न है और इसकी 5 प्रमुख इकाइयां भारत में स्थित हैं। भारत के सहकारी परिदृश्य में इनका स्थान रोजगार, उत्पादन और कारोबार के लिहाज से अद्वितीय है। सिर्फ ये ही नहीं, भारत में हजारों सहकारी संस्थाएं हैं जो जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं तथा आमजन के सशक्तिकरण में हाथ बंटा रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारी सहकारी संस्थाएं महिलाओं और सीमांत किसानों के आर्थिक विकास में बड़ा काम कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में लाखों किसान इन सहकारी संस्थाओं से जुडक़र साहूकारों के कर्ज के जाल से निकलने में सफल हुए। इनसे महिलाओं को इतनी कमाई हुई कि आज देश में 1.15 करोड़ लखपति दीदियां हैं। जाहिर है कि हमारी सहकारी संस्थाएं आर्थिक समृद्धि के सेतु बन गई हैं। सहकारी संस्थाओं से ऋण लेकर करोड़ों लोग अपना काम कर रहे हैं और सफल भी हो रहे हैं। इनकी व्यापक उपस्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश में 8.5 लाख सहकारी संस्थाएं हैं और उनके 29 करोड़ सदस्य हैं।

2019 के पहले देश में सहकारी संस्थाएं पूरी तरह से राज्यों के हाथ में थीं और तमाम तरह की समस्याओं से जूझ रही थीं। उन्हें कई तरह के नियम-कानूनों का सामना करना पड़ता था। उनकी देखरेख का काम कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के पास बंटे हुए थे। इससे हमेशा विलंब होता था और कई तरह के विवाद भी उठ खड़े होते थे। प्रशासन में कई तरह की अड़चनें सामने आती थीं। हर राज्य अपने तरीके से इन्हें चलाने की कोशिश करता था। इन बाधाओं को दूर करने के लिए ही मोदी सरकार ने 2021 में सहकारिता मंत्रालय को सृजित किया। यह गृह मंत्री अमित शाह के पास पूरी तरह से कर दिया गया। सहकारिता मंत्रालय सृजित करने के पीछे पीएम मोदी के मिशन 'सहकार से समृद्धि' की मूल भावना थी। इसके तहत छोटी-छोटी सहकारी संस्थाओं को मजबूत करना, सहकारिता पर आधारित एक अर्थव्यवस्था खड़ी करना, आर्थिक सुधारों को लागू करना और ट्रेनिंग वगैरह की व्यवस्था करना शामिल है। राष्ट्रीय स्तर के सहकारी संगठनों को और भी मजबूत करना सहकारिता मंत्रालय के ही कार्य हैं। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इन संस्थाओं को पूरी तरह से मॉडर्न बनाने तथा डिजिटाइज करने की दिशा में महती कदम उठाया और इसके परिणाम भी देखने में आने लगे हैं। देश भर में प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट सोसायटियों के कंप्यूटराइजेशन पर 2516 करोड़ रुपए खर्च किए गए जिससे 43658 कंप्यूटरों तथा उपयुक्त सॉफ्टवेयर पूरी तरह से लैस हैं। सहकारिता मंत्रालय ने 8 लाख ऐसी कोऑपरेटिव सोसायटियों के 30 करोड़ सदस्यों का डेटा तैयार कर रखा है जिससे उनसे सीधे जुडऩा संभव है। 43000 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटियों को कॉमन सर्विस सेंटर में बदला जा चुका है जिनसे ग्रामीणों तथा आदिवासियों को सरकार की 300 स्कीमों की हाथों-हाथ जानकारी मिल सके और उनका फायदा हो। इन सभी की सफलता देखते हुए सरकार ने दो लाख नए प्राइमरी एग्रीकल्चर सर्विस सेंटर बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है ताकि हर पंचायत में इनकी पहुंच हो। ऋण वितरण को भी बड़े पैमाने पर बढ़ाया गया है और यह 128000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जबकि 2021 में यह राशि महज 25000 करोड़ रुपए थी। अब किसानों के लिए ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध हो जाने से और उस तक किसानों की पहुंच हो जाने से सूदखोर साहूकारों से छुटकारा मिलने लग गया।

अब किसानों को ऋण के लिए यहां-वहां दौडऩा नहीं पड़ता है और उन्हें अपनी पंचायत में ही जरूरी कागजात जमा करने होते हैं और उसके बाद उन्हें ऋण मिल जाता है। इसमें पूरी पारदर्शिता होती है क्योंकि भुगतान डिजिटल मोड में होता है। इस तरह के ऋण में किसी तरह की छुपी हुई रकम नहीं होती है। बड़ी तादाद में किसान इसका फायदा उठा रहे हैं। आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहकारिता का बड़ा हाथ है। इन्हें बिना भागदौड़ और बिचौलियों के अब ऋण मिल जाता है जिसका वे छोटे-छोटे उपक्रमों में इस्तेमाल करती हैं और साल भर में लाख सवा लाख रुपए आसानी से कमा लेती हैं। देश भर में जो कृषि ऋण बंटता है, उसका 20 फीसदी सहकारी संस्थाओं के जरिये जाता है। 35 फीसदी फर्टिलाइजर का वितरण इन्हीं सोसायटियों के माध्यम से होता है। भारत के कुल जीडीपी का 4.5 फीसदी सिर्फ दुग्ध क्षेत्र से आता है। इसका ही नतीजा है कि सहकारी संस्थाओं में रोजगार बढ़ता जा रहा है। इस पर जोर दिया जा रहा है ताकि रोजगार के अवसर और बढ़ाए जा सकें।

सहकारिता मंत्रालय ने सहकार से समृद्धि के नारे को वास्तविक बनाने के लिए ये कदम उठाए हैं। उसने सभी कोऑपरेटिव में सहयोग के लिए प्रयास किया है। लेकिन सहकारिता मंत्री ने इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए एक ऐसी सहकारी संस्था बनाने का ऐलान किया है जो प्राइवेट एग्रीगेटर ऐप्प बेस्ड कैब सेवा ओला और उबर की तर्ज पर होगी, जिससे कैब ड्राइवरों की इनकम में भारी इजाफा होगा। इसका नाम सहकार टैक्सी होगा और इसके ड्राइवरों को किसी को कट या कमीशन नहीं देना होगा। यह सहकार से समृद्धि का एक बड़ा उदाहरण होगा। इसमें टू व्हीलर, फोर व्हीलर, थ्री व्हीलर वगैरह सभी आएंगे और इससे लाखों ड्राइवरों की आय बढ़ेगी। इसके अलावा इस क्षेत्र में बीमा कंपनियां स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर भी काम चल रहा है। सहकारिता मंत्रालय जल्दी ही एक सहकारी बीमा कंपनी बनाने जा रहा है, जो देश के सभी कोऑपरेटिव को बीमा मुहैया कराएगी। मंत्रालय इसे भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के रूप में स्थापित करना चाहता है। सहकारिता मंत्री अमित शाह का मानना है कि एक विकसित अर्थव्यवस्था के लिए एक सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होती है और यह सरकार उसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर भी खुशी जाहिर है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को इंटरनेशनल इयर ऑफ कोऑपरेटिव घोषित किया है। सारी दुनिया में इस साल यह 5 जुलाई को मनाया जा रहा है। भारत में सहकारिता के बढ़ते कदम से अर्थव्यवस्था में तेजी आई है और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

मधुरेंद्र सिन्हा

राशिफल

आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष द्वादशी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी की स्थिति,प्रेम की स्थिति, संतान की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुणज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आर्शीवाद मिलेगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। यात्रियों के लिए अच्छा समय रहेगा। प्रेम में थोड़ा तू-तू, मैं-मैं हो सकती है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृह कलह के संकेत हैं। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कौटुंबिक सुख मिलेगा। लिक्विड फंड में बढ़ोतरी होगी। स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी है। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान भी अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम, संतान ठीक है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय में आशातीत बढ़ोतरी होगी। यात्रा का योग बनेगा। प्रेम, संतान, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा है।

जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अर्पित की पुष्पांजलि

नई दिल्ली। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद और प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर दिल्ली में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ नेता, केंद्रीय मंत्री और संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रहे। जिनके साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी, वरिष्ठ भाजपा नेता गुलजारी लाल नंदा सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

इस मौके पर दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलजारी लाल नंदा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान आज भी हमें प्रेरणा देता है। उन्होंने एक देश, एक संविधान, एक विधान के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका संघर्ष हमें हमेशा यह सिखाता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

डा मुखर्जी ने 'एक देश, एक निशान, एक विधान' के ध्येय को लेकर देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका विचार और बलिदान सदैव हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। एक देश, एक विधान के लिए डॉ. मुखर्जी का बलिदान अमर रहेगा।

श्री नंदा ने अपने संबोधन में कहा कि आज जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार किया है। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर भारत को और मजबूत बनाना है।

भूमि एवं वृक्ष पूजन करके पौधारोपण के साथ गंगा समग्र का वृक्षारोपण महाअभियान शुरू

प्रयागराज। क्षेत्रीय संगठन मंत्री गंगा समग्र, श्रीमान संजय जी के नेतृत्व में गंगा समग्र के गंगा सेवकों एवं क्षेत्रीय नागरिकों के द्वारा वृक्षों की पूजा करके पौधारोपण की शुरुआत की गई। पौधारोपण के पूर्व जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया जिसमें मां गंगा की अविरलता एवं निर्मलता में वृक्षों की महत्ता के बारे में चर्चा की गई। बृक्षारोपण पर्यावरण, समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वृक्ष नदियों की रक्षा, पुनर्जीवन और अस्तित्व बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हर नदी के तट पर पेड़ लगाओ, जल और जीवन दोनों बचाओ रोपित किए गए पौधों में आम, अमरूद, जामुन, नीम, गुलमोहर, अमलतास, अशोक, अर्जुन के अधिक संख्या में पौधे लगाये गये। इस अवसर पर राजेश पालक प्रयागराज, डॉ. श्रवण मिश्र, संयोजक प्रयाग उत्तर, डॉ शक्ति नाथ,डॉ. उत्तम पाठक, अजय द्विवेदी,अखिलेश सहित बड़ी संख्या में गंगा भक्त उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का संयोजन परिक्षेत्र संयोजक प्रतिष्ठानपुरी (झूसी) गंगा समग्र डॉ. आदिनाथ ने किया।

मकान मालिक के घर में की चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छालेरा गांव में रहने वाला किराएदार मकान मालिक के घर से जेवरात व नगदी को चोरी कर ले गया। छालेरा गांव निवासी तिलक राम ने बताया कि उनके मकान में पिछले 5 महीने से कृष्ण नाम का युवक किराए पर रह रहा था। उसका उनके घर पर भी आना जाना था। 30 जून को वह उनका मकान खाली कर चला गया। कृष्ण के जाने के बाद उन्होंने जब अपने घर में देखा तो पता चला कि अलमारी में रखी सोने, चांदी तथा कुछ नकदी गायब थी। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी।

तिलकराम ने आशंका जताई है कि कृष्ण ने ही उनके घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश कर रही है।

किशोरी को भगा ले गया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के एक गांव से युवक नाबालिक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के पिता ने आरोपी युवक व उसके जीजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उनके गांव में पड़ोस के गांव का रहने वाला रोहित पुत्र किशन पाल शटरिंग का कार्य करने आता था। इस दौरान रोहित ने उनके बेटे से दोस्ती कर ली और उनके घर आने-जाने लगा। घर आने-जाने के दौरान उसने उनकी (14 वर्षीय) बेटी को बहला-फुसला लिया। 30 जून की रात्रि को रोहित उनकी बेटी को अपने साथ भागकर ले गया।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनकी नाबालिक बेटी को भगाने में रोहित के जीजा भगत ने भी सहयोग किया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

सपा की मासिक बैठक सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर सोमवार को पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक का संचालन जिला महासचिव सुधीर तोमर ने किया। बैठक में पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा शासनकाल में गरीब, किसान, मजदूर, दलित, पिछड़े और महिलाओं का उत्पीड़न हो रहा है। भाजपा सरकार गरीबों का हक छीन रही है और आम जनता का शोषण करने में लगी हुई है। भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी चरम सीमा पर है। सरकार को जनता की परवाह नहीं है। भाजपा अपने शासनकाल की नाकामी छुपाने के लिए धर्म का सहारा ले रही है और समाज में द्वेष भावना पैदा कर जनता को बाँटने का काम कर रही है।

इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछड़े और दलितों के हक छीनने का काम किया जा रहा है और पीडीए समाज का शोषण किया जा रहा है। सरकार उनके हकों को खत्म करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली और विकास करने वाली पार्टी है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों एवं शोषित वर्ग की आवाज बुलंद कर रहे हैं। बैठक में मुख्य रूप से फकीर चंद नागर, इन्दर प्रधान, गजराज नागर, सुधीर तोमर, कृष्णा चौहान, लाल सिंह गौतम, मेहंदी हसन, जगवीर नंबरदार, अकबर खान, कपिल ननका, डॉ विकास जतन, सुदेश भाटी, हैप्पी पंडित, यूनुस प्रधान, विजेंद्र नागर, दीपक नागर, मोहित नागर, सुनील बदौली, अनूप तिवारी, कुलदीप भाटी, विपिन सैन, विक्रम टाइगर, गजेन्द्र यादव, विनय शर्मा, विपिन कसाना, सत्यप्रकाश नागर, वकील सिद्दकी, लखन जाटव, चमन नागर, जय सिंह चंदेल, जगदीप नागर, सलीम मेंबर, असगर सैफी आदि मौजूद रहे।

पंजाब के होशियारपुर में भीषण सड़क हादसा, 8 की मौत और 32 घायल

पंजाब (एजेंसी)। पंजाब के होशियारपुर के अतंर्गत दसूहा में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। जबकि 32 से ज्यादा यात्री घायल हैं। यह बस हादसा दसूहा हाजीपुर रोड नजदीक सगरा अड्डा के पास हुआ है।

हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और प्रशासन के बड़े अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। मौके पर बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि सोमवार को यहां सागरन गांव के पास एक मिनी बस पलट गई। इस दुर्घटना में आठ यात्रियों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए।

मुकेरियां के पुलिस उपाधीक्षक कुलविंदर सिंह विर्क ने बताया कि करीब 40 यात्रियों को लेकर बस हाजीपुर से दसूया जा रही थी, तभी चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। पुलिस ने बताया कि घायल यात्रियों को दसूया के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विर्क ने मुताबिक, दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और इसकी गहन जांच की जाएगी।

हालांकि, प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि बस की स्पीड काफी तेज थी, जिस कारण वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और यह हादसा हो गया। मौके पर स्थानीय लोग और पुलिस बचाव कार्य में जुटी है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

कर्मचारी बाइक व नगदी लेकर फरार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर में एक व्यक्ति ने अपने यहां काम करने वाले युवक के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उनके यहां काम करने वाला युवक उनकी बाइक और नगदी लेकर फरार हो गया। ग्राम जगनपुर दोआबा निवासी मोहन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह भैंस पालन का काम करता है। उसने 25 मई को सुनील नाम के एक व्यक्ति को भैंसों की देखरेख व खेती का कार्य करने के लिए काम पर रखा था। 5 जून की सुबह सुनील उनकी टीवीएस स्पोर्ट्स बाइक और कमरे में रखे 35000 रूपये लेकर फरार हो गया। उन्होंने सुनील की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। मोबाइल पर फोन करने पर वह स्विच ऑफ मिला।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

उत्तर प्रदेश में पौधारोपण...

कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना शाहजहांपुर, सूर्यप्रताप शाही अयोध्या, स्वतंत्र देव सिंह गोरखपुर, बेबीरानी मौर्य अलीगढ़, चौधरी लक्ष्मी नारायण मथुरा, जयवीर सिंह मैनपुरी, धर्मपाल सिंह बरेली, नंदगोपाल गुप्ता %नंदी% प्रयागराज, अनिल राजभर आजमगढ़, राकेश सचान कानपुर देहात, एके शर्मा जौनपुर, योगेंद्र उपाध्याय आगरा, आशीष पटेल मीरजापुर, डॉ. संजय निषाद अंबेडकरनगर, ओमप्रकाश राजभर गाजीपुर, दारा सिंह चौहान देवरिया, सुनील कुमार शर्मा गाजियाबाद और अनिल कुमार बिजनौर में पौधरोपण करेंगे।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल कानपुर नगर, कपिलदेव अग्रवाल मुजफ्फरनगर, रविंद्र जायसवाल वाराणसी, संदीप सिंह एटा, गुलाब देवी संभल, गिरीश यादव प्रतापगढ़, धर्मवीर प्रजापति झांसी, असीम अरुण कन्नौज, जेपीएस राठौर मुरादाबाद, दयाशंकर सिंह बलिया, नरेंद्र कश्यप हापुड़, दिनेश प्रताप सिंह रायबरेली, दयाशंकर मिश्र दयालु चंदौली में पौधरोपण महाभियान का हिस्सा बनेंगे।

मोबाइल लेने पर...

मारपीट के बाद महिला थाने जा पहुंची और अपने पति के खिलाफ शिकायती पत्र दे दिया।

पुलिस ने दोनों पति-पत्नी को घरेलू मामला बताकर समझाने का बहुत प्रयास किया। लेकिन महिला अपने पति के खिलाफ एफआईआर करने की जिद पर अड़ी रही। पुलिस ने महिला की शिकायत पर रूपचंद के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। रूपचंद ने बताया कि उसने अपनी पत्नी को वीडियो कॉलिंग पर किसी से बात करते देखा था। इसी कारण उसने उसका फोन जबरन छीना था। पुलिस ने आरोपी को शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया है।

श्री राम यूनिवर्सल स्कूल...

इस कार्यक्रम में रोबोटिक्स लैब और एआई लैब की जरूरत तथा उनकी महत्ता पर विचार विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि उनका सदैव प्रयास रहता है कि छात्रों को बेहतर शिक्षा देने के साथ-साथ उनका समग्र विकास किया जाए। भविष्य में भी स्कूल अपनी जिम्मेदारी का इसी प्रकार निर्वहन करता रहेगा।

भंडारा खाकर घर ...

शोर सुनकर आस-पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

महिला की मौत के...

18 मार्च को उनकी पत्नी की उपचार के दौरान मौत हो गई। पीड़ित के मुताबिक उसने मार्च को रिपोर्ट लिखवाने के लिए थाने में प्रार्थना पत्र दिया था उसके बाद वह अपनी पत्नी के इलाज व अंतिम संस्कार में व्यस्त हो गया और थाने नहीं पहुंच सका। 22 मई को जब वह रिपोर्ट की कॉपी लेने थाने पहुंचा तो पता चला की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। इसके बाद उसने दोबारा प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग की। थाना नॉलेज पार्क पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी कार्यचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

चोरी, लूट व गौकशी में...

पुलिस टीम द्वारा मौके से दिलशाद पुत्र सलीम निवासी चांद मस्जिद के पास अशोक विहार लोनी गाजियाबाद उम्र करीब 34 वर्ष व मुरसलीन पुत्र अजीज निवासी इस्लामी मदरसे के पास वाली गली जमालपुरा राशिद अली गेट थाना लोनी गाजियाबाद उम्र करीब 36 वर्ष को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार बदमाशों ने पूछताछ में बताया कि हम चोरी करते है तथा यदि कोई हमे चोरी करते देख लेता है तो तमंचा दिखाकर डराकर लूट लेते है तथा मौका लगने पर हम गौकशी व गांजा की तस्करी कर लेते हैं।

बिल्डर ने खेला बड़ा...

फ्लोर पर फ्लैट आवंटित किया गया। हेमलता शर्मा के मुताबिक उन्होंने अपने अपार्टमेंट के फ्लैट से संबंधित ओरिजिनल दस्तावेजों को गिरवी रखकर डीएचएफएल से होम लोन लेकर वीईएफ को करीब 60 लाख रुपए का भुगतान कर दिया। कुछ समय पहले उन्हें डीआरटी दिल्ली द्वारा निर्गत किया गया एक ऑप्शन नोटिस अपने फ्लैट पर चिपका हुआ मिला पूछताछ करने पर पता चला कि यह नोटिस कॉरपोरेशन बैंक ने लोन रिकवरी के लिए चिपकाए है उक्त नोटिस के अनुसार उनके फ्लैट के दस्तावेजों को गिरवी रखकर मुकेश कुमार गर्ग ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से लोन लिया है। यह जानकारी मिलने पर उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई। उन्होंने जब अपने स्तर पर जानकारी की तो पता चला कि नवीन गुप्ता व अधिकृत अधिकारी अभिजीत कुमार ने अक्टूबर 2014 में यह फ्लैट मुकेश कुमार गर्ग को बेचा था। मुकेश कुमार गर्ग ने भुगतान के लिए कॉरपोरेशन बैंक से 55 लाख रुपए का लोन लिया था। हेमलता शर्मा के मुताबिक नवीन गुप्ता व अधिकृत अधिकारी अभिजीत कुमार ने उनके साथ धोखाधड़ी करते हुए फ्लैट के कूट रचित दस्तावेज बनाकर दो लोगों को बेच दिया था।

पीड़िता के मुताबिक उन्हें अपार्टमेंट का भौतिक कब्जा नहीं सौंपा गया और ना ही उनके फ्लैट की रजिस्ट्री कराई गई। जबकि अलॉटमेंट लेटर में 3 वर्ष के भीतर भौतिक कब्जा व रजिस्ट्री करने का वादा किया था। उन्होंने इस संबंध में जब नवीन गुप्ता और अभिजीत कुमार से बात की तो उन्होंने उन्हें जान से मरवाने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर थाना सूरजपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता विद्युत खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ।

पत्रांक: 899/नीलामी — दिनांक: 19/06/2025

ई0 नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित पुरानी निष्प्रयोज्य मशीनों / वाहनो की सार्वजनिक नीलामी, जहां है जैसा है, के आधार पर खण्डवार ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। नीलामी से सम्बन्धित विवरण तथा नियम एवं शर्तें https:etender.up.nic.in पर दिनांक 18.07.2025 से दिनांक 28.07.2025 तक अपलोड की जा सकती है। नीलामी की टैक्निकल बिड दिनांक 28.07.2025 को 12.30 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में तकनीकी बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस मे खोली जायेगी।

क्र. सं.	मशीन जिसकी नीलामी होनी है।	संख्या	मशीनो की लोकेशन	धरोहर धनराशि
1	2	3	4	5
1	RR-1098	01 नग	प्रान्तीय खण्ड, गौतमबुद्धनगर लो0नि0वि0,	26500.00

नोट: उपरोक्त मशीनों / वाहन सम्बन्धित खण्ड के कार्यालय / कार्यालय परिसर में खडी है तथा इन मशीन /वाहन की नीलामी जहां है जैसा है के अनुसार ही होगी। मशीन / वाहन का निरीक्षण सम्बन्धित खण्ड के अवर अभियन्ता के साथ किया जा सकता है।

www.upidadv.up.gov.in
Upid-235621 Dt. 03/07/2025

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ

खास खबर

हिंदुस्तान कॉपर मध्यप्रदेश में 400 करोड़ के निवेश से कन्सन्ट्रेटर संयंत्र लगाएगी

मलांजखंड। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) अगले दो-तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के मलांजखंड में 30 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला नया कन्सन्ट्रेटर संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना पर कंपनी लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कदम कंपनी की अयस्क उत्पादन क्षमता को तिगुना करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के चेयरमैनने बताया कि सरकारी परामर्श कंपनी मेकॉन इस संयंत्र के लिए तकनीकी डिजाइन और निविदा दस्तावेज तैयार कर रही है। निर्माण कार्य की शुरूआत 2026 में होने की संभावना है, जिसे कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों से वितपोषित करेगी। फिलहाल मलांजखंड में एचसीएल का 25 लाख टन सालाना क्षमता वाला कन्सन्ट्रेटर संयंत्र संचालित है। कन्सन्ट्रेटर संयंत्र खनिज अयस्क से अपशिष्ट को अलग कर मूल्यवान खनिजों का संकेंद्रित रूप तैयार करता है, जिसे आगे गलन या शोधन के लिए भेजा जाता है।

एलाइड इंजीनियरिंग ने आईपीओ के लिए दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली। स्मार्ट बिजली उपकरण विनिमार्ता एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी करीब 400 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी कर बाजार से पूंजी जुटाना चाहती है। इसके साथ ही एक प्रवर्तक की ओर से 75 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश भी की जाएगी। जुटाई गई राशि का उपयोग कुंडली और राय स्थित विनिर्माण इकाइयों में स्मार्ट गैस, वॉटर और बिजली मीटर के उत्पादन पर किया जाएगा, जिसमें क्रमशः 116.75 करोड़ और 99.71 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा कंपनी 120 करोड़ अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं पर खर्च करेगी। एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स आईपीओ से पहले के दौर में 80 करोड़ तक जुटाने पर भी विचार कर रही है, जिससे नए निर्गम का आकार कम हो सकता है।

जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने बेचीं 15,786 यूनिट्स

नई दिल्ली। जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने 15,786 यूनिट्स की बिक्री के साथ भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ फिर साबित की है। 2015 में लॉन्च हुई क्रेटा ने अपने 10 साल पूरे करते हुए मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट की पहचान ही बदल दी है। बाजार में इसकी लोकप्रियता इतनी गहरी है कि इस श्रेणी को लोग अब क्रेटा सेगमेंट कहने लगे हैं। हयूदै के मुताबिक, अब तक 12 लाख से ज्यादा भारतीय परिवार इसे अपना चुके हैं और जून 2025 के आंकड़े दिखाते हैं कि ग्राहक आज भी इसे उतना ही पसंद करते हैं। कंपनी ने इस उपलब्धि पर कहा कि क्रेटा सिर्फ एक कार नहीं बल्कि एक भावना है, जिसने हयूदै की भारत में सफलता की नींव रखी। क्रेटा को हयूदै ने हर वर्ग के ग्राहकों के लिए तैयार किया है। इसका 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन 115 बीएचपी और 144 एनएम का टॉर्क देता है, वहीं 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 160 बीएचपी और 253 एनएम की ताकत के साथ आता है।

इन्दौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इन्दौर। श्रावणी मॉग व कमजोर आवकों के चलते आलौच्य सप्ताह के दौरान किराना जिंसों में नारियल बाजार उछाल पर रहे। शक्कर में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में नरमी का रूख रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूत देखे गये। दलहनों में चना ऊँचाइयों पर रहा। किराना : शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। शक्कर में लेवाली कमजोर है। सावो व अन्य मुहर्त के कामकाज कम होने से भावों में नरमी है। शक्कर में सप्ताह के दौरान बाजार 4080-4120 रू. प्रति क्विंटल तक आ गये। खोपरे गोले में लेवाली के चलते भावों में मजबूती है। समीक्षा सप्ताह के दौराना खोपरा गोला 340-380 रू. प्रति किलो के बीच रहा।

छह कंपनियों के मार्केट कैप में 70,325 करोड़ की गिरावट

- एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ

एजेंसी

मुंबई। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 70,325.5 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में कमजोरी के कारण एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। टॉप 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 19,284.8 करोड़ रुपये घटकर 15,25,339.72 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में 13,566.92 करोड़ रुपये की कमी आई, जो अब 10,29,470.57 करोड़ रुपये पर है। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 13,236.44 करोड़ रुपये घटकर 5,74,977.11 करोड़ रुपये और एलआईसी का 10,246.49 करोड़ रुपये घटकर 5,95,277.16 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्य 8,032.15 करोड़ रुपये घटकर 12,37,729.65 करोड़ रुपये पर पहुंचा। भारती एयरटेल का मूल्यांकन भी 5,958.7 करोड़ रुपये घटकर 11,50,371.24 करोड़ रुपये रह गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,127.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,81,383.80 करोड़ रुपये पहुंचा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,906.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,757.36 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 5,756.38 करोड़ रुपये बढ़कर 7,24,545.28 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर बरकरार रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की स्थिति बनी रही।

इस सप्ताह अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता पर निर्भर करेगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के नतीजों पर निर्भर करेगी। ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क के निलंबन की 90 दिन की अवधि 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। यदि इस वार्ता में सकारात्मक परिणाम आते हैं, तो बाजार की धारणा में मजबूती आ सकती है, जबकि नतीजे नकारात्मक रहे तो बाजार में कमजोरी देखने को मिल सकती है। अमेरिका ने भारत सहित कई देशों पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया था, जिसे 90 दिन के लिए रोक दिया गया था। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह वैश्विक बाजारों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि जवाबी शुल्क निलंबन की अवधि समाप्त होने से वैश्विक व्यापार की दिशा तय होगी। इसके साथ ही निवेशक अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर भी नजर बनाए रखेंगे। घरेलू स्तर पर आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और खुदरा क्षेत्र की एवेन्यू सुपरमार्ट्स के तिमाही नतीजों पर निवेशकों की खास नजर होगी। इसके अलावा अन्य कंपनियों के भी वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे जारी होंगे, जो बाजार की दिशा निर्धारित करने में मदद करेंगे।

डीप टेक स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बूस्ट : गोयल

- सरकार ने फंड ऑफ फंड्स में जोड़े 10 हजार करोड़
- स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा
- भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरूआत की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बेंगलुरु में घोषणा की कि सरकार ने डीप टेक रिसर्च और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए फंड ऑफ फंड्स स्कीम के तहत 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि पिछली बार बजट में दी गई इतनी ही राशि पहले ही उपयोग की जा चुकी है। नई फंडिंग का बड़ा हिस्सा डीप टेक क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा, जिससे देश में नई तकनीकों के विकास और नवाचार को बल मिलेगा। गोयल ने बताया कि इस फंड के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ, भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरूआत की है। इसका उद्देश्य देश के 100 शीर्ष डीप टेक स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें नीति निर्माण और तकनीकी चर्चाओं में शामिल करना है। यह कार्यक्रम स्टार्टअप इंडिया, मेटी स्टार्टअप हब और आईआईटी मद्रास के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत एक मेंटर बोर्ड भी बनाया गया है, जिसमें विशेषज्ञ, निवेशक और नीति निर्माता शामिल हैं। चयनित स्टार्टअप्स के अनुभवों और चचाओं के आधार पर एक व्हाइट पेपर तैयार किया जाएगा, जिसमें नीति संबंधी सुझाव होंगे।

सेबी की बड़ी कार्रवाई: जेन स्ट्रीट के 4,844 करोड़ जब्त

- भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित भी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी के अनुसार इस फर्म ने बैंक निफ्टी इंडेक्स में हेराफेरी कर करीब 4,844 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ कमाया। हाल ही में जारी 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में इस राशि की जब्ती का निर्देश दिया गया है, जो सेबी के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। सेबी चेयरमैन ने कहा कि शेयर बाजार में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निगरानी व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूत किया गया है। एक्सचेंज और सेबी दोनों स्तरों पर निगरानी टीमों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। सेबी की जांच में खुलासा हुआ है कि जेन स्ट्रीट ने भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नियमों से बचने के लिए कई संस्थाएं बनाई थीं। वर्तमान आदेश केवल 18 दिनों की बैंक निफ्टी ट्रेडिंग और तीन एक्सपायरी दिनों की गतिविधियों पर आधारित है।

वागले की दुनिया में राजेश की कोशिशें पड़ी उल्टी, विवान ने कर दिया प्रपोज

एजेंसी

मुंबई। सोनी सब का शो ह्यवागले की दुनिया में दिल छू लेने वाले क्षणों के साथ-साथ यथार्थ से जुड़ी चुनौतियां भी बखूबी दिखाई जाती हैं। हालिया एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि साईं दर्शन सोसायटी में जब उनकी बिल्डिंग के रीडेवलपमेंट की घोषणा होती है, तो सबमें उत्साह की लहर दौड़ जाती है। लेकिन एक देर रात आए हल्के भूकंप के झटके से हड़कंप मच जाता है और बिल्डिंग की गंभीर ढांचात्मक कमजोरियां सामने आ जाती हैं। आगामी एपिसोड्स में, वागले परिवार में तनाव बढ़ता है जब राजेश को अपनी बेटी सखी और विवान की बढ़ती नजदीकियों से बेचैनी होने लगती है। इसी बीच राधिका की एक चौंकाने वाली भविष्यवाणी – सखी को जल्द शादी करनी चाहिए वरना भविष्य में उसे गर्भधारण से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है – राजेश की चिंता और बढ़ा देती है। राजेश विवान को सखी से दूर करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उसका उल्टा असर होता है और सखी विवान के और करीब आ जाती है। इसी दौरान, राधिका को अचानक हुए मेमोरी लॉस से परिवार पहले ही तनाव में होता है, और तभी विवान के एक अप्रत्याशित एक्सीडेंट से सखी को अपने असली जज्बात का एहसास होता है।

टाटा मोटर्स को मिल रही महिंद्रा और एमजी से कड़ी चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार में टाटा मोटर्स को अब महिंद्रा और एमजी मोटर जैसी कंपनियों से कड़ी चुनौती मिल रही है। बीते महीने जून के आंकड़े देखे तो साफ है कि ईवी बाजार में मुकाबला बेहद तीव्र हो चुका है और टाटा की पकड़ अब पहले जैसी मजबूत नहीं रही। जून 2025 में कुल 13,033 इलेक्ट्रिक कारें रजिस्टर हुईं, जो पिछले साल के मुकाबले 78 प्रतिशत ज्यादा हैं। यह भले ही कुल पैसेंजर व्हीकल्स का सिर्फ 4 प्रतिशत हो, लेकिन यह बाजार में ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है। सबसे बड़ा उलटफेर यह रहा कि महिंद्रा और एमजी मोटर ने संयुक्त रूप से 53 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हथिया ली, जो पहले टाटा के पास थी। टाटा मोटर्स ने अब भी सबसे ज्यादा ईवी बेचे, लेकिन जून 2024 में 62.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के मुकाबले जून 2025 में यह घटकर 35.8 प्रतिशत रह गई। टाटा की बिक्री जून 2025 में 4,664 यूनिट्स रही, जिसमें सिर्फ 2प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज हुई। पंच ईवी और क्रूव ईवी जैसे मॉडल्स के बावजूद, टाटा को अपनी रणनीति और इनोवेशन पर दोबारा फोकस करना होगा। वहीं एमजी मोटर ने आक्रामक रफ्तार दिखाई और जून 2025 में 3,945 यूनिट्स बेच डालीं, जो 167प्रतिशत की जबरदस्त सालाना वृद्धि है। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 30.3प्रतिशत पहुंच गई। एमजी की नई विंडसर इलेक्ट्रिक एसयूवी को शहरी ग्राहकों ने खूब पसंद किया, जिससे कंपनी टाटा के बेहद करीब पहुंच गई। दूसरी ओर, एसयूवी बाजार की महारथी महिंद्रा ने ईवी सेगमेंट में भी शानदार एंट्री की। जून 2025 में महिंद्रा ने 2,979 यूनिट्स बेचीं और 512प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की। इसकी बाजार हिस्सेदारी अब 22.9प्रतिशत है। बीई 6 और एक्सईवी 9ई जैसे मॉडलों ने ग्राहकों को खूब लुभाया है। अन्य कंपनियां भी पीछे नहीं रहीं। हुंडई ने 509 यूनिट्स बेचकर 708प्रतिशत की बढ़त हासिल की। किआ ने 41 यूनिट्स के साथ 156प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

ट्रांसरेल लाइटिंग को पावर ग्रिड के ठेकों में 10 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली। ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली पारेषण कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के ठेकों में 8 से 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल होने की उम्मीद है। यह जानकारी कंपनी के एक अधिकारी ने दी। नारंग ने बताया कि वर्तमान में ट्रांसरेल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8-10 फीसदी है और कंपनी इस स्तर को बनाए रखते हुए पावर ग्रिड के बड़े निवेश योजनाओं का लाभ उठाना चाहती है। पावर ग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 28,000 करोड़, 2026-27 के लिए 35,000 करोड़ और 2027-28 के लिए 45,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की घोषणा की है।

सुजलॉन एनर्जी को पुनर्गठन योजना पर राहत, मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को अपनी पुनर्गठन योजना के तहत एक बड़ी राहत मिली है। कंपनी ने हाल ही में शेयर बाजारों को सूचित किया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से कोई आपत्ति न होने का पत्र प्राप्त हुआ है। यह स्वीकृति कंपनी द्वारा मई 2023 में प्रस्तावित और अगस्त 2024 में शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं से अनुमोदित पुनर्गठन योजना से जुड़ी है। इस योजना के तहत सुझलॉन एनर्जी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुझलॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड का विलय अपने आप में करने जा रही है। इस विलय का उद्देश्य कंपनी के कॉर्पोरेट ढांचे को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है। कंपनी का कहना है कि इससे संचालन अधिक दक्ष और लागत प्रभावी होगा। स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी ऑब्जर्वेशन लेटर में कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को सेबी के सभी नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करे। साथ ही कंपनी को किसी भी लंबित अदालती, वसूली या अभियोजन मामलों की पूरी जानकारी का खुलासा करना होगा। लेटर में यह भी कहा गया है कि ड्राफ्ट स्कीम में कोई बदलाव नियामकीय मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकता। अब यह योजना राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

गुजरात में पीवीसी संयंत्र लगाएगा अदाणी समूह

नई दिल्ली। अदाणी समूह गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) संयंत्र लगाने जा रहा है। इस परियोजना के साथ अदाणी समूह पेट्रोरसायन क्षेत्र में कदम रखेगा, जहां फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज का दबदबा है। अनुमान है कि यह संयंत्र वित्त वर्ष 2027-28 तक चालू हो जाएगा। पीवीसी एक बहुउपयोगी प्लास्टिक पॉलिमर है, जिसका इस्तेमाल पाइप, खिड़की-फ्रेम, केबल इंसुलेशन, फ्लोरिंग और खिलौनों जैसे कई उत्पादों में होता है। भारत में पीवीसी की सालाना मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन सिर्फ 15.9 लाख टन है। इसमें से लगभग आधी क्षमता रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग प्रारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी नई फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग शुरू कर दी है। टाटा ने इसे ऑल व्हील ड्राइव और स्टील्थ एडिशन जैसे वेरिएंट में लॉन्च किया है। ग्राहक इसे 21,000 रुपये के टोकन अमाउंट पर बुक कर सकते हैं। इसकी शुरूआती कीमत 21.49 लाख रुपये रखी गई है। यह भारतीय बाजार में कंपनी की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी मानी जा रही है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी 622 किमी की क्लेम्ड रेंज है। इसके अलावा इसमें डुअल मोटर ऑल-व्हील-ड्राइव सेटअप दिया गया है, जिसमें हर एक्सल पर एक इलेक्ट्रिक मोटर लगी है। बूस्ट मोड में यह कार 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार सिर्फ 6.3 सेकंड में पकड़ सकती है। ऑफरोडिंग को ध्यान में रखते हुए इसमें 6 मल्टी-टेरेन मोड दिए गए हैं - नॉर्मल, मड रट्स, रॉक क्रॉल, सैंड, स्नो/ग्रास और कस्टम। हैरियर ईवी में 540-डिग्री कैमरा फंक्शन दिया गया है जो 360-डिग्री व्यू के साथ-साथ गाड़ी के नीचे का हिस्सा भी दिखाता है इसमें शार्क फिन एंटीना में कैमरा लगाया गया है।

खाद्य तेल बाजार में हलचलः सरसों-सोया-मूंगफली के दाम बढ़े

- बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपए बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के भाव में तेजी देखी गई, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। वैश्विक बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का असर भारत में सीमित रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है, जबकि कच्ची घानी तेल मिलों की मांग तेज होती जा रही है। आगामी सरसों फसल आने में अभी समय है और मौजूदा स्टॉक सरकार व किसानों के पास है। सरकार द्वारा पूर्व में खरीदी गई फसल की बिक्री के लिए निविदा मंगाने से बाजार पर हल्का दबाव जरूर आया, फिर भी सरसों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 6-7 फीसदी ऊपर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि दादरी सरसों तेल 175 की तेजी के साथ 14,875 रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा। विदेशी बाजार में सोयाबीन की कीमत 1,130-1,135 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,155-1,160 डॉलर हो गई, जिससे घरेलू बाजार में भी थोड़ी तेजी आई। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से करीब 15 फीसदी नीचे है, जिससे मंडियों में आवक कम हो रही है। आयातकों को भी लागत से नीचे भाव पर सोया डीगम तेल बेचना पड़ रहा है। सोयाबीन दाना 25 रुपए बढ़कर 4,375-4,425 और डीगम तेल 100 रुपए बढ़कर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कमजोर थोक दाम और न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चलने के कारण किसान बिक्री से कतरा रहे हैं। हालांकि मांग में हल्की तेजी से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार हुआ। मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपए बढ़कर 13,700 और मूंगफली रिफाइंड 35 रुपए बढ़कर 2,230-2,530 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। पाम और पामोलीन तेल की कीमतें समीक्षाधीन सप्ताह में स्थिर रहीं। पामतेल की मांग इसलिए प्रभावित रही क्योंकि इसकी कीमत सोयाबीन जैसे नरम तेलों के बराबर है।

क्रोमा की बैक टू कैंपस सेल में लैपटॉप खरीदें, सिर्फ 28,990 रुपए से शुरू

- महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक क्रोमा दे रहा आकर्षक छूट, शून्य ब्याज ईएमआई का भी लाभ

रांची। भारत का पहला और टाटा समूह का भरोसेमंद ओमनी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा में शुरू हो रहा है बैक टू कैंपस सेल। इस विशेष सेल में विद्यार्थियों और तकनीकी उपकरणों के शौकीनों के लिए लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्टफोन व एक्सेसरीज पर शानदार छूट और आकर्षक ऑफर दिए जा रहे हैं। क्रोमा की इस सेल में मैकबुक एयर एम2 केवल 46,390 रु. से शुरू है, जिसमें एक्सचेंज बोनस और 10,000 रु. तक कैशबैक का लाभ मिल रहा है। वहीं सैमसंग गैलेक्सी टैब एस9 5जी 3,849 रु. मासिक किस्त पर दिया जा रहा है। एआई विंडोज लैपटॉपः कीमत 55,990रु. से शुरू, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के साथ, 24 महीने तक की जीरो-कॉस्ट ईएमआई और 10,000 रु. तक का कैशबैक। झारखंड में इंटेल आई3 लैपटॉप 32,990 रु. से शुरू है। एक्सचेंज सहित, वायरलेस माउस और एंटीवायरस के साथ (कीमत 999 रु.)। हाई-परफॉरमेंस गेमिंगः महानगरों के अलावा दूसरे शहरों में, गेमिंग लैपटॉप की कीमतें 52,990रु. से शुरू, एक्सचेंज सहित, गेमिंग माउस और एंटीवायरस के साथ (कीमत 2,590 रु.)।

बर्मिंघम में भारत की पहली जीत

-लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही इंग्लैंड की टीम -सीरीज में एक-एक की बराबरी

बर्मिंघम। भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में 336 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। भारत ने बर्मिंघम में पहली बार जीत दर्ज की है। भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे और इंग्लैंड को 407 रन पर आउट कर 180 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। भारत ने शुभमन गिल के शतक की मदद से दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित की थी और कुल 607 रनों की बढ़त हासिल कर इंग्लैंड के सामने 608 रनों का लक्ष्य रखा था। इंग्लैंड की दूसरी पारी पांचवें दिन 271 रन पर ऑलआउट हुई और भारत ने जीत हासिल की। बारिश के कारण पांचवें दिन का खेल देरी से शुरू हुआ, लेकिन आकाश दीप ने इंग्लैंड को शुरुआत में ही दो झटके दिए। इसके बाद बेन स्टोक्स ने जैमी स्मिथ के साथ मिलकर पारी को संभाला और छठे विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी कर डाली। इस साझेदारी को वॉशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स को आउट कर तोड़ा। फिलहाल भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स मैदान पर खेला जाएगा।

58 साल का सूखा खत्म

भारत ने पहली बार बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर टेस्ट जीत हासिल की है। इससे पहले जो उसने इस मैदान पर 8 टेस्ट मैच खेले थे, उसमें से सात में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ पर छूटा। भारतीय टीम ने इस मैदान पर पहला टेस्ट जुलाई 1967 में खेला था, जिसमें उसे 132 रनों से पराजय का मुंह देखना पड़ा था। अब भारत ने 58 साल का सूखा खत्म किया है। भारत की विदेशी जमीन पर ये रनों के लिहाज से सबसे बड़ी टेस्ट जीत भी रही।

आकाशदीप का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भारत के लिए तेज गेंदबाज आकाश दीप ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दूसरी पारी में छह विकेट लिए। आकाश ने पहली पारी में चार विकेट लिए थे। आकाश के अलावा मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को एक-एक विकेट मिला। इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में क्रिस वोक्स (7), जैमी स्मिथ (88), जोश टंग (2) और ब्रायडन कार्स (38) के विकेट गंवाए। शोएब बशीर 12 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में विकेटकीपर बल्लेबाज जैम स्मिथ ने शानदार प्रदर्शन किया और अर्धशतक लगाने में सफल रहे। वहीं पहली पारी में आकाशदीप के साथ मिलकर सिराज ने गोरों को आगे बढ़ने से रोका था। दूसरी पारी में जहां आकाशदीप ने 6 विकेट हासिल किया तो वहीं पहली पारी में मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट हासिल किया था। जबकि आकाश दीप महज 4 विकेट ही हासिल कर पाए थे। फिलहाल उन्होंने 21.1 ओवर में 99 रन देकर छह विकेट झटके। उन्होंने पहली बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं।

गिल ने एक साथ गढ़े कई कीर्तिमान

भारत ने 58 सालों में पहली बार बर्मिंघम का किला फतह कर लिया है। इसके साथ ही यह शुभमन गिल के कप्तानी की भी पहली जीत है। भारत ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 336 रनों से जीत दर्ज की और पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी पहली पारी में 269 रन बनाए थे। जिसकी बदौलत भारतीय टीम अपनी पहली ही पारी में 587 जैसा विशाल स्कोर बनाया था, जिसका पीछा करने में इंग्लैंड की टीम विफल रही। वहीं अपनी दूसरी पारी में भारतीय कप्तान ने 161 रन बनाए। इसके साथ ही गिल ने एक ही मैच में तीन शतक जड़कर बतौर कप्तान बड़ी उपलब्धि हासिल की। वो ऐसा करने वाले सुनील गावस्कर के बाद दूसरे कप्तान बने। गौरतलब हो कि भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 427 रन बनाकर घोषित की थी और कुल 607 रनों की बढ़त हासिल कर इंग्लैंड के सामने 608 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसका पीछा करने में गोरे नाकाम रहे।

पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए

दीपिका सेहरावत नामांकित

नीदरलैंड के खिलाफ किया था शानदार गोल

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को 2024-25 FIH हॉकी प्रो लीग सीजन के दौरान दुनिया की नंबर 1 टीम नीदरलैंड के खिलाफ उनके बेहतरीन एकल फील्ड गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। गौरतलब हो कि इस अवार्ड का फैसला दुनिया भर के हॉकी प्रशंसकों द्वारा इस आधार पर किया जाता है कि उन्हें लगता है कि सीजन के दौरान सबसे अच्छा पल और गोल किसने किया। दीपिका का यह यादगार पल फरवरी 2025 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान हुआ, जब भारतीय टीम ने कलिंगा स्टेडियम में 2-2 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। 35वें मिनट में दीपिका ने एक शानदार फील्ड गोल किया, जबकि भारत दो गोल से पीछे चल रहा था। 35वें मिनट में दीपिका ने नीदरलैंड की बैकलाइन के चारों ओर से शानदार तरीके से बाएं फ्लैंक से ड्रिबल किया, बेसलाइन को चूमा, डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से गेंद को डिंक किया और गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए नेट में एक शानदार स्ट्राइक के साथ मूव को पूरा किया। दीपिका ने कहा, "नीदरलैंड के खिलाफ़ किया गया वह गोल मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक है। सब कुछ ठीक रहा और इससे हमें बराबरी करने और शूटआउट में गेम जीतने में मदद मिली। मुझे पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित होने पर गर्व है और अपने प्रशंसकों के समर्थन के लिए आभारी हूँ। आपके वोट और समर्थन मुझे अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने और भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं अपने कोच, सहयोगी स्टाफ़ और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अपने साथियों को उनके निरंतर प्रोत्साहन और मुझ पर विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ।"

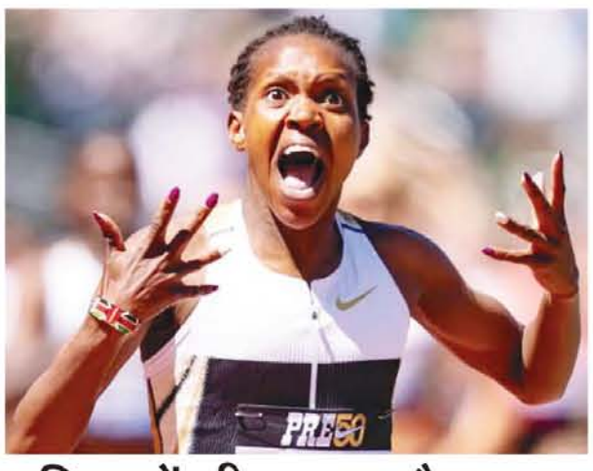

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका)। कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया।

नोवाक ने रचा इतिहास

पिछले 8 सालों में केवल अल्कारेज से हारे मुकाबला

विबंलडन। विबंलडन 2025 में सर्बिया के 38 साल के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का अब तक टेनिस कोर्ट पर काफी शानदार फॉर्म देखने को मिला है। नोवाक जोकोविच ने अपने हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच के खिलाफ तीसरे राउंड के मुकाबले में सीधी जीत दर्ज करने के साथ करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। जोकोविच अब विबंलडन के इतिहास में 100 मैच जीतने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। नोवोका जोकोविच ने विबंलडन के तीसरे दौर में मिओमिर केकमानोविच के खिलाफ खेले गए मुकाबले को 6-3, 6-0 और 6-4 से अपने नाम करने के साथ अगले राउंड में अपनी जगह को पक्का किया। जोकोविच की भिड़ंत 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगी। वहीं विबंलडन के इतिहास में नोवाक जोकोविच से पहले 9 बार विंबलडन सिंगल्स चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 मैच जबकि आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 सिंगल्स मुकाबले जीते थे, जिसमें जोकोविच का नाम भी शामिल हो गया है। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। पिछले 8 सालों से जोकोविच का विबंलडन में जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला है। जिसमें वह इस दौरान सिर्फ अल्कारेज से ही मुकाबला हारे हैं।

अंडर-19 मैच

वैभव सूर्यवंशी ने यूथ वनडे में ठोका सबसे तेज शतक

वॉर्सेस्टर। पहले घरेलू क्रिकेट, फिर आईपीएल और अब टीम इंडिया, 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपनी बल्लेबाजी से कमाल कर रहे हैं। सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ अंडर-19 मैच में सिर्फ 52 गेंदों पर शानदार शतक जड़कर यूथ वनडे क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। सूर्यवंशी ने 78 गेंदों पर 143 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और 13 चौके शामिल रहे। इस धमाकेदार पारी के साथ सूर्यवंशी यूथ वनडे में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने सरफराज खान का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सरफराज ने 2013 में साउथ अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ 15 साल और 338 दिन की उम्र में शतक बनाया था। सूर्यवंशी की इस उपलब्धि ने उन्हें विश्व स्तर पर युवा वनडे में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाला खिलाड़ी भी बना दिया है, उन्होंने बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2013 में 14 साल और 241 दिन की उम्र में शतक बनाया था। वहीं सूर्यवंशी ने 14 साल, तीन महीने और 11 दिन में यह उपलब्धि हासिल की। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव की धमाकेदार पारी ने अब तक के सबसे तेज युवा वनडे शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

शुभमन गिल पर फिदा हुए विराट कोहली

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन में खेला गया। इस टेस्ट मैच में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने दोनों पारियों में शतक लगाया। दोनों पारियों में शतक लगाकर उन्होंने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इस बीच टीम इंडिया के पूर्व टेस्ट प्लेयर विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर शुभमन गिल को उनके इस ऐतिहासिक पारी के लिए बधाई दी। विराट ने गिल के लिए इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। शुभमन गिल ने एजबेस्टन टेस्ट की जब दूसरी पारी में भी शतक लगाया तब विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट की। अपनी उस स्टोरी में विराट ने गिल को स्टार बॉय कहा। गिल का शतक पूरा होने के बाद पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कैप्शन में लिखा कि बहुत अच्छा खेले स्टार बॉय। इतिहास रच दिया। आगे बढ़ते रहो। तुम यह सब कुछ डिजर्व करते हो। बता दें कि इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। आपको बता दें कि इस शतकीय पारी के साथ ही शुभमन गिल ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इस टेस्ट मैच में शुभमन गिल की ऐतिहासिक पारी के बदौलत टीम इंडिया ने भी इतिहास रच दिया है। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत ने पहली बार दोनों पारियों को मिलाकर 1000 रन बनाए हैं। इस पहले एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन भारत ने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था। वहां टीम इंडिया ने एक मैच में 916 रन बनाए थे। इस टेस्ट मैच की बात करें तो आज मुकाबले के पांचवें दिन का खेल होना है। भारत ने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 608 रनों का टारगेट रखा है। बारिश की वजह से पांचवें दिन का खेल समय पर शुरू नहीं हो पाया है।

टीम इंडिया को मिला विहान मल्होत्रा के रूप में दूसरा 'गिल'

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी के साथ ही युवा विहान मल्होत्रा के शतक के चलते भारतीय अंडर-19 टीम ने यूथ वनडे सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली है। भारत की युवा टीम ने इंग्लैंड अंडर-19 को चौथे वनडे मैच में 55 रन से रौंदा। वैभव को तो आईपीएल ऑक्शन के बाद से ही पूरा देश जानने लगा है, लेकिन अब क्रिकेट के गलियारों में विहान मल्होत्रा के नाम की भी चर्चा हो रही है। क्रिकेट प्रेमी जानना चाहते हैं कि आखिर यह बल्लेबाज कौन है। 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विहान ने 106.61 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 121 गेंदों पर 129 रन कूट दिए। अपनी इस पारी में 18 साल के विहान ने 15 चौकों के साथ ही 3 छक्के भी जड़ दिए। उन्होंने वैभव के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 219 रन की पार्टनरशिप की। वैभव के आउट होने के बाद अगले ही ओवर में विहान भी कैच आउट हो गए। विहान ने 110 गेंदों पर शुभमन गिल की स्टाइल में जश्न मनाया। मुकाबले की बात करें तो भारतीय अंडर-19 टीम ने यूथ वनडे सीरीज के चौथे मैच में इंग्लैंड अंडर-19 को 55 रन से हराया। वैभव सूर्यवंशी (143) और विहान मल्होत्रा (129) के शतक की मदद से भारत ने 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 363 रन बनाए।

नीरज चोपड़ा ने जीता गोल्ड मेडल

बेंगलुरु। भारत के गोल्डन बॉय और डबल ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने कमाल कर दिया है। उन्होंने भारत में पहली बार आयोजित हुई भाला फेंक प्रतियोगिता को अपने नाम कर लिया है। नीरज ने गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा कर दुनिया भर में एक बार फिर अपने नाम का डंका बजा दिया है। भारत में आयोजित हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 टूर्नामेंट को नीरज चोपड़ा ने जीत लिया है। नीरज ने 86.18 मीटर का थ्रो कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट में केन्या के जूलियस येगो दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने 84.51 मीटर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। श्रीलंका के रुमेश पथिराज तीसरे स्थान पर रहे और 84.34 मीटर के थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। मैदान में मौजूद 14,593 लोगों ने जोरदार नारे लगाकर नीरज चोपड़ा का स्वागत किया। नीरज ने टूर्नामेंट की शुरुआत फाउल के साथ और 82.99 मीटर के दूसरे प्रयास के साथ बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी। टोक्यो ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और 2024 में पेरिस में रजत पदक जीतने वाले भारतीय मेगा स्टार ने फिर 86.18 मीटर के अपने तीसरे थ्रो के साथ रात का सबसे बड़ा थ्रो दर्ज किया. नीरज ने चौथे प्रयास में फाउल किया और पांचवें प्रयास में 84.07 मीटर का थ्रो किया. इससे पहले उन्होंने 82.22 मीटर के साथ इवेंट का समापन किया।

कपिल देव के क्लब में शामिल हुए मोहम्मद सिराज

हैदराबाद। भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में शुक्रवार को मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। टीम के मेन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाई और आकाशदीप के साथ मिलकर पूरी इंग्लैंड टीम को 407 के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। सिराज ने 19.3 ओवर में 70 रन देकर 6 विकेट चटकाए, जिसमें जैक क्रॉली, जो रूट, बेन स्टोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर के विकेट शामिल हैं। जबकि आकाशदीप ने चोर विकेट लिए. इस अविश्वसनीय प्रदर्शन के साथ मोहम्मद सिराज ने इतिहास रच दिया है। वो इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में 6-6 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले कई गेंदबाजों ने 5 या 6 विकेट लिए हैं लेकिन किसी भी गेंदबाज ने दोनों देशों में 6-6 विकेट नहीं लिए। इसके अलावा मोहम्मद सिराज एजबेस्टन स्टेडियम में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए। जिसके साथ वो दिग्गज कपिल देव, चेतन शर्मा और इशांत शर्मा के साथ क्लब में शामिल हो गए। 31 वर्षीय सिराज ने 1993 के बाद से किसी मेहमान तेज गेंदबाज के तौर पर पहली बार छह विकेट लिए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पॉल राइफल ने 1993 में इसी ग्राउंड पर छह विकेट लिए थे। इस के साथ ही ये सिराज का इस ग्राउंड पर बतौर मेहमान तेज गेंदबाज के तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पहले नंबर पर पाकिस्तान के इमरान खान हैं, जिन्होंने 1982 में 52 रन देकर 7 विकेट लिए थे जबकि दूसरे नंबर पर इंडिया के चेतन शर्मा हैं, उन्होंने 1986 में 58 रन देकर 6 विकेट झटके थे। अब तीसरे नंबर 6/70 के आंकड़े के साथ सिराज का नाम आ गया है. सिराज ने इंग्लैंड में अपना पहला पांच विकेट और अपने करियर का चौथा पांच विकेट लिया. वह अमर सिंह, चेतन शर्मा, भुवनेश्वर कुमार और इशांत शर्मा के बाद इंग्लैंड में पांच विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय तेज गेंदबाज हैं।

एजबेस्टन में सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाजी के आंकड़े

चेतन शर्मा	6/58	1986
सिराज	6/70	2025
इशांत शर्मा	5/51	2018
कपिल देव	5/146	1979

अयोध्या को क्यों कहते हैं धार्मिक नगरी

अयोध्या नगरी यूं ही खास नहीं है, बल्कि इस नगर से विशेष धार्मिक महत्व भी जुड़े हैं। इसलिए तो अथर्ववेद में इसे देवताओं का स्वर्ग बताया गया है। सरयू नदी में बसी पवित्र नगरी अयोध्या को स्कंद पुराण में ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेवों की पवित्र स्थली कहा गया है। अथर्ववेद में अयोध्या को ईश्वर का नगर बताते हुए इसकी तुलना स्वर्ग से की गई है। वहीं स्कंद पुराण के अनुसार, अयोध्या का 'अ' शब्द ब्रह्मा 'य' कार विष्णु और 'ध' कार रुद्र का स्वरूप है। वहीं महाकवि महर्षि वाल्मीकि ने भी महाकाव्य रामायण में अवध को पवित्र नगर बताया है।अयोध्या नगरी के धार्मिक दृष्टिकोण को लेकर एक कथा खूब प्रचलित है। जिसके अनुसार, अयोध्या के महाराज विक्रमादित्य एक बार भ्रमण करते हुए सरयू नदी के पास पहुंचे। उस समय उन्हें अयोध्या की भूमि में कुछ चमत्कार दिखाई दिए। आस-पास के संतों ने महाराज विक्रमादित्य को अवध भूमि की धार्मिक महत्ता के बारे में बताया। इसके बाद विक्रमादित्य ने यहां विभिन्न मंदिरों, सरोवर, कूप आदि का निर्माण कराया।इसके साथ ही अयोध्या नगरी में एक सीता कुंड भी। मान्यता है कि, इस कुंड में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप कर्मों का नाश होता है। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक सप्तपुरियों में अयोध्या का स्थान प्रथम है। अयोध्या को श्रीराम की जन्मभूमि के साथ ही साकेत नगरी के नाम से भी जाना जाता है। हिंदुओं के साथ ही बौद्ध और जैन धर्म के लिए भी अयोध्या नगरी का धार्मिक महत्व है। आइये जानते जन्मभूमि अयोध्या कैसे नगरी।

अयोध्या की स्थापना

रामायण के अनुसार, सरयू नदी के किनारे बसी अयोध्या नगरी की स्थापना सूर्य पुत्र वैवस्वत मनु द्वारा की गई। वैवस्वत मनु का जन्म लगभग 6673 ईसा पूर्व बताया जाता है। ये ब्रह्मा जी के पौत्र कश्यप की संतान थे। इसके बाद मनु के 10 पुत्र हुए जिनमें- इल, इक्ष्वाकु, कुशनाम, अरिष्ट, धृष्ट, नरिष्यंत, करुष, महाबली, शर्यांति और पृषध थे। इक्ष्वाकु कुल में ही भगवान राम का जन्म हुआ था।

कैसे हुआ देवशिल्पी नगर 'अयोध्या' का निर्माण

स्कंद पुराण के अनुसार, जिस तरह से काशी भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी है। ठीक इसी तरह से अयोध्या विष्णु जी के सुदर्शन चक्र पर बसी है। इसे लेकर एक पौराणिक कथा है, जिसके अनुसार, मनु ब्रह्माजी के पास एक नगर निर्माण की योजना लेकर पहुंचे। ब्रह्माजी ने मनु को भगवान विष्णु के पास भेजा। विष्णु जी ने मनु के लिए साकेतधाम का चयन किया। साकेतधाम के निर्माण के लिए ब्रह्मा जी, मनु, भगवान विष्णु, शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा और महर्षि वरिष्ठ गए। भूमि का चयन सरयू नदी के किनारे किया गया और इसके बाद आरंभ हुई देवशिल्पी नगर निर्माण की। इसलिए अयोध्या को साकेत के नाम से भी जाना जाता है। वहीं भगवान राम के जन्म के समय इस नगर को अवध के नाम से जाना जाता था।

अयोध्या नगरी से जुड़ी खास बातें

- वाल्मीकि रामायण के 5वें सर्ग के बालकांड में अयोध्या का वर्णन करते हुए कहा गया है कि अयोध्या 12 योजन लंबी और 3 योजन चौड़ी थी।
- अयोध्या मंदिर और घाटों की प्रसिद्ध नगरी भी है। यहां के प्रसिद्ध सरयू नदी के किनारे 14 प्रमुख घाट भी हैं। जिसमें- गुप्त द्वार घाट, कैकयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण घाट आदि हैं।
- अयोध्या में ही भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। इसलिए इसे राम जन्मभूमि कहा जाता है। लेकिन इसी के साथ यहां कई महान योद्धा, ऋषि-मुनि और अवतारी पुरुष भी हुए। जैन मतानुसार, अयोध्या में ही आदिनाथ समेत 5 तीर्थकारों का भी जन्म हुआ था।
- 12 वीं सदी के आसपास अयोध्या में बड़े पैमाने पर सूफी-संतों के भी रहने का प्रमाण मिलता है।
- कहा जाता है कि, भगवान श्रीराम जी के समाधि लेने के बाद त्रेतायुग में ही अयोध्या नगरी उजड़ गई थी। तब श्रीराम के पुत्र कुश ने अयोध्या को फिर से बसाया।
- कुश द्वारा अयोध्या का पुनर्निर्माण कराने के बाद सूर्यवंश की अगली 44 पीढ़ियों तक अयोध्या का अस्तित्व बरकरार रहा। लेकिन महाभारत युद्ध के बाद अयोध्या फिर से उजाड़ हो गई।
- इसके बाद अयोध्या मौर्य से लेकर गुप्त, कन्नौज, मुगल शासकों के अधीन रही। 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी।
- इसके बाद भी अयोध्या में मंदिर-मस्जिद विवाद नहीं थमा और कई आंदोलन व सांप्रदायिक दंगे हुए। मामला कोर्ट पहुंचा और लंबी लड़ाई के बाद फैसला श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आया।
- अब एक बार फिर से पवित्र और धार्मिक नगरी श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हुआ, जिसमें रामलला विराजें।

पढ़ने के दौरान नींद आए तो क्या करें

पढ़ने के दौरान कई बार किताबें उठाते ही क्या आपके बच्चे को भी नींद आने लगती है। बच्चों ही नहीं बड़ों के साथ भी ये समस्या देखने को मिलती है। चाहकर भी वे पढ़ नहीं पाते हैं। दरअसल, जब हम पढ़ाई करते हैं तो आंखों से जुड़े मसल्स पर प्रेशर पड़ने लगता है। हमारा ब्रेन पढ़ी हुई चीजों को याद कर उसे कलेक्ट करता रहता है। जब आंखों के मसल्स थक जाते हैं या स्लो काम करने लगते हैं तो नींद आने लगती है। कई बार पढ़ने के दौरान हमारे बैठे का तरीका भी गलत होने पर नींद आ सकती है।

अंधेरे में पढ़ाई न करें

जब भी आप पढ़ाई करने बैठें तो ऐसी जगह चुनें जहां पर्याप्त रोशनी हो। इससे आंखों पर कम प्रभाव पड़ेगा और कम रोशनी वाली जगह बैठने से भी बच जाएंगे।अंधेरे में पढ़ाई करने पर नींद आने लगती है।

ओपन स्पेस में ही पढ़ें

खुली जगहों जैसे छत या बालकनी में हवा और रोशनी काफी अच्छी आती है। इसलिए ऐसी जगहों पर पढ़ाई करना चाहिए। इससे सुस्ती कम महसूस होगी और नींद भी नहीं आएगी। इसका फायदा आंखों को भी होगा।

कभी भी बिस्तर पर न पढ़ें

कुछ लोग बिस्तर पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। ऐसा करने से आलस और सुस्ती महसूस होती है। जिससे पढ़ने में बिल्कुल भी मन नहीं लगेगा। इसलिए जब भी पढ़ाई करें तो टेबल और कुर्सी पर करें।

पढ़ाई से पहले हल्का भोजन करें

ज्यादा खाने के बाद सुस्ती और नींद आना स्वाभाविक है। ऐसे में जब भी खाना खाएं तो तुरंत बाद पढ़ने न बैठें।
पढ़ने से पहले हल्का और पचने वाले भोजन करें। इससे नींद नहीं आएगी और आलस भी नहीं लगेगा।

तांबे के बर्तन से पानी पीने के फायदे

एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर

तांबे के बर्तन में रखा पानी एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इस पानी को पीने पर शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स की छुट्टी हो जाती है। इसके अलावा, कॉपर मेलानिन के प्रोडक्शन में हेल्प करता है जिसस त्वचा सूरज की हानिकारक किरणों से बचती है।

एजिंग प्रोसेस धीमा होता है

कॉपर इलास्टिन और कोलाजन के प्रोडक्शन में मदद करता है। इलास्टिन और कोलाजन स्किन को जवां बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। कॉपर की बोतल में पानी रखा जाए और इस पानी को नियमित रूप से पिएं तो त्वचा पर झुर्रियां और फाइन लाइंस कम नजर आती हैं।

पाचन रहता है दुरुस्त

तांबे वाला पानी पाचन के लिए अच्छा होता है। इस पानी को पीने पर डाइजेस्टिव रसों का प्रोडक्शन बढ़ता है, इससे पाचन बेहतर तरह से हो पाता है और डाइजेस्टिव अंगों को भी सहायता मिलती है।

हर्बल टी पीने के फायदे

लेमनग्रास एंड जिंजर टी

इसके लिए थोड़ी सी लेमनग्रास ले लें और अदरक को कूटकर उसे पानी में डालकर दोनों को साथ उबालें। इसमें लौंग भी डालें और थोड़ी देर उबालने के बाद छानकर पिएं। अगर टेस्ट बिटर लगे तो हल्का सा गुड़ डाल लें। ये सर्दियों में गले में बहुत आराम देती है और पेट के लिए भी बेहतरीन होती है।

हनी, लेमन एंड टरमरिक टी

ये चाय सर्दियों का अमृत कही जाती है। इसे बनाने के लिए थोड़ी सी काली मिर्च कूटकर और एक कच्ची हल्द की गांठ छोटे टुकड़े करके पानी में उबालें। कच्ची हल्दी गर्म होती है इसलिए मात्रा कम ही लें। थोड़ी देर बाद इसे छान लें और ऊपर से लेमन और हनी मिक्स करके पिएं।

तुलसी टी

तुलसी टी के जितने फायदे कहे जाएं कम हैं। इसे तो चाय के तौर पर अपनी रेग्यूलर चाय में मिक्स करके या पानी में उबालकर कैसे भी ले सकते हैं। ये इम्यूनिटी तो बढ़ाती ही है साथ ही स्किन के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसकी चाय बनने के लिए एक बाउल में तुलसी की पत्तियां उबालें और छानने के बाद ऊपर से एक चम्मच हनी और नींबू का रस मिलाकर पिएं।

मिंट टी, सिनेमन टी

सिनेमन इतना गर्म होता है कि इसे सर्दी में लेना ही ठीक है। इसके लिए सिनेमन को पानी में उबालें और काली मिर्च भी कूटकर डालें। इसे नीचे उतारकर गुड़ मिलाएं और पी लें। ये वेट लॉस में बहुत फायदा करती है। इसी तरह मिंट टी भी पी सकते हैं। मिंट टी पेट के लिए बेहतरीन होती है।

चिपचिपे बालों को इस तरह करें शैम्पू

गर्मी के मौसम में बाल धोने के अगले दिन से ही ये फिर से गंदे नजर आने लगते हैं। जिसकी वजह से काफी उलझन होती है। और किसी भी तरह की कोई हेयरस्टाइल भी नहीं बन पाती। अगर आप भी इस तरह की समस्या से रोजाना दो चार होती हैं। तो शैंपू करते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना जरुरी है। क्योंकि गंदे बालों से ना केवल बदबू आना शुरु हो जाती है। बल्कि इससे चेहरे और गर्दन पर भी एक्ने की समस्या होने लगती है। ऐसे में जरुरी है कि बालों को सही तरह से शैंपू कर धोया जाए।

शैंपू करने का सही तरीका

हो सकता है कि आप शैंपू करती हों लेकिन वो स्कैल्प से तेल को ना हटा पाता हो। इसका कारण है स्कैल्प में ठीक से शैंपू का ना पहंचना। इसके लिए आप शैंपू को पानी में घोलकर गीला कर लें। फिर इसको बालों में डालकर शैंपू करें। क्योंकि गीला शैंपू बालों में तेजी से फैलता है।
स्कैल्प पर शैंपू करते वक्त उंगलियों की सहायता लें। उंगलियों से बालों को धीरे-धीरे करके मसाज करें। जिससे कि सारा शैंपू पूरे बालों में लग जाए और अच्छी तरह से गंदगी छुट जाए। फिर बालों को पानी से अच्छी तरह से साफ कर लें। -जिससे कि सारा शैंपू ठीक से छुट जाए। शैंपू करते वक्त कभी भी जल्दबाजी में ना रहें। आराम से बालों में शैंपू को लगाकर कम से कम एक से दो मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इन्हें उंगलियों की सहायता से मसाज करके पानी से धोएं। ऐसा करने से बालों का सारा तेल एक बार में ही निकल जाएगा।

खाना खाने के बाद जरूर खाइए इलायची

माना जाता है कि इलायची के बीज, तेल और अर्क में प्रभावशाली औषधीय गुण होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं तो फिर आपको इसको ढेरो फायदे होंगे। यह माउथ फ्रेशनर का भी अच्छा काम करता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं, तो फिर आपको इसके ढेरो फायदे होंगे। तो चलिए आपको बताते हैं इलायची खाने के कितने फायदे हैं।
इलायची के एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं जो मांसपेशियों को तंदुरुस्त रखने में का काम करते हैं। लेकिन ज्यादा सेवन शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है, जिससे पेट खराब हो सकता है।
इलायची का इस्तेमाल पेट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद में तीखी होती है लेकिन फायदे बहुत होते हैं। इसके सेवन से दिल की सेहत भी अच्छी होती है। यह नींद की समस्या से भी निजात दिलाने का काम करती है।
यह मसाला गुर्दे की पथरी को ठीक करने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा सर्दी जुकाम (cold cough) में इससे से बनी चाय आराम पहुंचाती है। तो आज से ही आप इसको अपनी डाइट का हिस्सा बना लीजिए।

सावन में पहनें लाल रंग की ऐसी सुंदर साड़ी...

मिलेगा डिवाइन लुक

सावन के महीने में वैसे तो सब हरा रंग पहनते हैं ,लेकिन पूजा-पाठ के मौके पर अगर आप अलग दिखना चाहती हैं तो लाल रंग की इन डिफरेंट वैरायटी की साड़ी को पहनकर रेडी हो सकती हैं।

रेड साड़ी लुक

सावन का महीना भक्ति और पूजा-पाठ और त्योहारों का होता है। अब त्योहार हैं या पूजा, ट्रेडिशनल तरीके से तैयार होना चाहती हैं तो सावन में हरे रंग की साड़ी के अलावा लाल रंग भी पहन सकती हैं। पूजा-पाठ से लेकर सावन की किटीपार्टी में भीड़ में सबसे हटके दिखना है तो ऐसी लाल रंग की साड़ी पहनकर रेडी हो जाएं। सब मुड़-मुड़कर देखेंगे।

रेड नेट साड़ी

पूजा पाठ के मौके पर अगर आप थोड़ा हैवी लुक चाहती हैं तो इस तरह की शियर फैब्रिक या नेट फैब्रिक में साड़ी पहन सकती हैं। लुक को कंफर्टेबल बनाने के लिए स्लीक बन बनाएं और केवल ईयररिंग्स से लुक को कंप्लीट करें। बॉर्डर पर बनी डिजाइन वाली साड़ी स्पेशल ओकेजन पर ब्यूटीफुल दिखती है।

कॉटन मरून साड़ी

सिंपल सा लुक चाहती हैं तो एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या की तरह कॉटन की मरून शेड की साड़ी को कलरफुल ब्लाउज के साथ पेयर करें। इस तरह की साड़ियां भी कंफी लुक देंगी।

हैवी सिल्क साड़ी

सिल्वर जरी बॉर्डर के साथ हैवी सिल्क की रेड साड़ी स्पेशल पूजा के मौके पर ब्यूटीफुल दिखती है। साथ में एक्ट्रेस की तरह लुक को भी कैरी करें।

लाइनिंग वाली साड़ी

लाइटवेट या कॉटन फैब्रिक की मरून शेड की लाइनिंग वाली साड़ी सिंपल और डिवाइन लुक देगी। साथ ही सावन में लगने वाली उमसभरी गर्मी में कंफर्टेबल भी रहेगी।

फ्लोरल प्रिंट सिल्क साड़ी

लाइटवेट सिल्क की फ्लोरल प्रिंट साड़ी हटके लुक देगी। फातिमा सना शेख की ये साड़ी गॉर्जियस लुक देने में मदद करेगी।

ट्रेडिशनल रेड साड़ी लुक

ट्रेडिशनल रेड साड़ी पहनकर रेडी होना है तो नयनतारा का लुक परफेक्ट है। बाल में गजरा, झुमका के साथ क्लासिक गोल्डन जरी बॉर्डर की साड़ी ब्यूटीफुल दिखेगी।

बच्चे को नहलाने से पहले ध्यान में रखें ये बातें

बड़े से लेकर बच्चे, सभी को नहाने में मजा आती हैं। लेकिन सभी लोग ठंडे पानी वाले किसी भी काम को करने से बचते हैं। लेकिन कुछ लोग ऑफिस के चलते शाम में घर वापस आने पर नहाते हैं और अपने छोटे बच्चे को भी उसी समय नहलाते हैं। गर्मी में तो ये ठीक है लेकिन ठंड का मौसम में ऐसा करना गलत है। ठंड में अगर बॉडी पर अधिक ठंडा पानी डाला गया तो इससे बॉडी को बहुत नुक्सान हो सकता है। बल्कि डॉक्टर सीधे सिर पर पानी डालने से मना करते हैं क्योंकि इससे ब्रेन हेमरेज होने का खतरा रहता है। वासे तो बच्चों को रात में नहलाना ज्यादा रिस्की हो सकता हैं।

भूलकर भी ना यूज करें ठंडा पानी

ठंडा पानी बर्दास्त के बाहर होता है। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को रात में ठंडे पानी से नहलाएंगे तो ये उनकी नाजूक स्किन के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता हैं। ऐसा करने से उनकी त्वचा लाल हो सकती हैं और इंफेक्शन होने का भी डर रहता है। अपने बच्चे को हमेशा हल्के गुनगुने पानी से नहलाएं।

सीधे रजाई में लेकर ना जाएं

अगर आपकी भी आदत हैं अपने बच्चे को रात में नहलाकर उसे सीधे रजाई में लेकर घूस जाने की तो इसे आज और अभी से छोड़ दें। ऐसा करने से उसके बॉडी का तापमान अचानक से बदलता हैं जिससे वायरल बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे बच्चे को सांस से जुड़ी समस्या हो सकती हैं।

सीधे पानी में ना डालें

कई लोग अपने बच्चे को नहलाने के लिए सीधे बाथ टब में डाल देते हैं। ऐसा करना बंद कर दें। छोटे बच्चों को नहलाने के लिए पहले उनकी बॉडी को टावल भीगोकर अच्छी तरह से पोछें। फिर उन्हें हल्के गर्म पानी से वाइप करें।

देर रात सोने के फायदे

ये तो हमने कई बार सुना है कि रात में देर तक सोने से शरीर को कई तरह की नुकसान को झेलना पड़ता है। लेकिन क्या आपको पता है इसके कई सारे फायदे भी हैं। अगर आप रात में देर तक जागते हैं तो इसका आपके दिमाग पर कुछ ऐसा असर होता है। आप इसे इसके फायदे की तरह भी देख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता है कि रात में देरी से सोने वाले लोग काफी ज्यादा क्रिएटिव होते हैं। जो रात में देर से सोते हैं उन्हें रात के वक्त अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं क्योंकि रात के वक्त उनका दिमाग शांत हो जाता है। रात में उन्हें अच्छे विचार आते हैं। देर रात सोने वाले ज्यादा स्मार्ट और चालाक किस्म के होते हैं। कई रिसर्च में यह बात साफ भी हो चुकी है कि उनका आईक्यू लेवल काफी ज्यादा होता है। यही नहीं वो बहुत ही ज्यादा क्रिएटिव, जिज्ञासु, बहादुर स्मार्क होते हैं। यानि वह आधी रात अकेले बैठकर आराम से फिल्म देख सकते हैं। ऐसे लोग अपने काम फटाफट से करते हैं। जाहिर है कि अगर रात में देर से सो रहे हैं तो सुबह देर से ही जागेंगे। लेकिन आगे के काम करने में देरी हो सकती है। जो लोग रात में देर तक जागते हैं वह अपनी पढ़ाई रात में बहुत जल्दबाजी में कर लेते हैं। डेडलाइन तो इनके लिए बच्चों का खेल है। ये रात के वक्त अपने टाइम का अच्छा इस्तेमाल करते हैं।

दिमाग में तरह-तरह का आइडिया आता है

जिन लोगों को रात के वक्त देर तक जागने की आदत है उन्हें रात के वक्त तरह-तरह के आइडिया आते हैं। इस आइडिया को ध्यान में रखकर वह अगले दिन को लेकर प्लान कर सकते हैं।

'पैसे कमाने के लिए फिजिकल रिलेशन...'

एक्ट्रेस के इस खुलासे के बाद मच गया था बवाल

सिनेमा की दुनिया से जुड़े तमाम सितारे कई बार खुद को लेकर ऐसे खुलासे कर चुके हैं, जिन्हें सुनकर एक बार में भरोसा करना मुश्किल होता है। कई स्टार्स ने अपनी गरीबी से लेकर कास्टिंग काउच तक तमाम खुलासे किए हैं। आज हम आपको एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की उस पॉपुलर एक्ट्रेस के खुलासा के बारे में बताएंग जिसे जानकर फैंस को झटका लगा था। इस हसीना ने अपने स्ट्रगल डेज में कुछ ऐसा काम किया था जो किसी को भी चौंका सकता है. आइए जानते हैं कि इस एक्ट्रेस ने ऐसा क्या काम किया था।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं,वह आए दिन पब्लिक प्लेस पर हद से ज्यादा रिवीलिंग ड्रेस में नजर आती हैं। शर्लिन चोपड़ा को देखते ही पैपराजी उन्हें अपने कैमरे में कैद करते हैं। शर्लिन चोपड़ा के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो जाते हैं। इसके बाद कई बार देखा गया है कि शर्लिन चोपड़ा को जमकर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। शर्लिन चोपड़ा अपनी बोल्डनेस के साथ ही अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। अपने स्ट्रगल डेज के बारे में बताया था। उन्होंने एक ऐसी बात बताई थी जिसे सुनकर लोग हैरान रह गए थे। शर्लिन चोपड़ा ने खुलासा किया था कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में कई लोगों को साथ फिजिकल रिलेशन बनाए थे। उन्होंने बताया था कि पैसों के लिए उन्हें ये करना पड़ा। शर्लिन ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मुझे कई बार पेड सेक्स के लिए संपर्क किया गया था। क्योंकि मैं पैसे के लिए ऐसा कर चुकी थी। ये मैं इसलिए नहीं बता रही हूं कि ताकि लोग मुझे बेचारी या बुरी लड़की के तौर पर देखें।' 'मैं ये इसलिए बात रही हूं ताकि जो लोग आज भी मेरे साथ फिजिकल रिलेशन बनाने के लिए मैसेज करते हैं वो समझ जाएं कि अब मैं ये काम नहीं करती हूं।

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस, जिन्होंने बहुत कम उम्र में ही खोई वर्जिनिटी!

सबसे चर्चित और टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में शामिल ये हसीना अकसर अपनी बेबाकी और खुलेपन से बात करने के लिए सुर्खियों में रहती हैं। एक बार फिर वो अपने पुराने बयान को लेकर चर्चा में आ गई हैं, जिसमें उन्होंने कम उम्र में लिए कुछ निजी फैसलों के बारे में खुलकर बात की थी, अब उनका ये बयान दोबारा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, आइए देखते हैं, और जानते हैं, वो एक्ट्रेस कौन हैं, और उन्होंने ऐसा कहा कूल कर लिया कि वो बयान उनका वायरल हो गया।

टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार नाम

हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो बेहद खूबसूरत आलिया भट्ट हैं, जो रणबीर कपूर की पत्नी और राहा की मां हैं, उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने जीवन में लिए गए कुछ पर्सन फैसलों पर बात की थी, आइए जानते हैं, वो कौनसे डिसीजन पर बात कर रहीं थीं?

उनका अंदाज ही उन्हें खास बनाता है

आलिया ने बताया था, कि उन्होंने महज 15 साल की उम्र में ही अपनी वर्जिनिटी खो दी थी। इस खुलासे को करते हुए एक्ट्रेस एकबार भी झिझकी नहीं, और यही बेबाकी उन्होंने औरों से अलग और खास बनाती है।

पढ़ाई छोड़, करियर चुना

इतना ही नहीं, आलिया ने पढ़ाई को भी जल्दी छोड़ दिया था। उन्होंने 12वीं क्लास यानी प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स (PUC) पूरा किए बिना ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था, और फिल्मों में करियर बनाने का फैसला कर लिया था। आलिया भट्ट ने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' मूवी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। ये फिल्म करण जौहर की थी,इस दौरान एक्ट्रेस महज 18 साल की थीं। शुरुआत से ही उन्होंने अपने टैलेंट और मेहनत से यह साबित कर दिया था, कि वो सिर्फ 'स्टारकिड' नहीं, बल्कि एक वर्सेटाइल परफॉर्मर भी हैं। आलिया का कहना है, कि वो कभी भी फिल्ममेकर से काम मांगने में नहीं झिझकतीं। एक्ट्रेस का मानना है, कि इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए कई बार टैलेंट के साथ-साथ कॉन्फिडेंस और स्ट्रेटफॉरवर्ड एटीट्यूड भी बेहद जरूरी होता है।

अजय देवगन और आदित्य चोपड़ा की लड़ाई के बीच फंस गईं काजोल

काजोल पिछले तीन दशक से फिल्मी दुनिया में अपनी अदाकारी दिखा रही हैं। उन्हें अपने करियर में सबसे ज्यादा हिट फिल्में यश राज फिल्म्स के साथ की हैं। ऐसे में उनका YRF के साथ क्लोज बॉन्ड है। हाल ही में, उन्होंने अजय देवगन के साथ YRF के विवाद पर रिएक्शन दिया है। जब काजोल के पति अजय देवगन का यश राज फिल्म्स के साथ क्लैश हुआ तो इसका सबसे ज्यादा असर काजोल पर पड़ा था। वह समझ नहीं पा रही थीं कि वह क्या करें, क्योंकि दोनों से ही उनका खास रिश्ता रहा है। उन्होंने कहा कि वह बेबस महसूस कर रही थीं।

अजय देवगन की फाइट पर बोलीं काजोल

एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में काजोल ने कहा, झगड़े हमेशा मुश्किल होते हैं, खासकर तब जब वे कुछ समय तक अनसुलझे रहें। उस समय जब आपके सामने ऐसी स्थिति होती है तो दोनों पक्ष अपने लिए खड़े होते हैं। मैं दोनों पक्षों से जुड़ी हुई थी, इसलिए मैं बेबस महसूस कर रही थी। काजोल ने आगे कहा, आपको समय बीतने का इंतजार करना पड़ता है, ताकि भावनाएं कम हो जाएं। ताकि चीजें फिर से ठीक हो सकें। बदलाव होता रहता है। यह न तो अच्छा है और ना ही बुरा। कहीं लिखा है कि बदलाव अनंत है। यही एक चीज है जो स्थिर है।

क्यों अजय देवगन का YRF से हुआ झगड़ा?

साल 2012 में अजय देवगन की सन ऑफ सरदार और आदित्य चोपड़ा की जब तक है जान एक ही दिन सिनेमाघरों में रिलीज हो रही थी। अजय की प्रोडक्शन कंपनी ADF ने YRF के खिलाफ कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) को शिकायत भेजी और आरोप लगाया कि YRF ने अपने मार्केट पॉजिशन का फायदा उठाकर जब तक है जान के लिए ज्यादा स्क्रीन्स सिक्योर कर लिए हैं जिसकी वजह से सन ऑफ सरदार के लिए स्क्रीन्स सीमित हैं।

स्लीवलेस ब्लाउज में श्वेता ने दिखाया कर्वी फिगर

फैंस बोले- 'नोरा फेल है आपके सामने'

सिनेमा जगत की हॉट और फिट मॉमी श्वेता तिवारी किसी अलग पहचान की मोहताज नहीं हैं। 2001 में आए टीवी सीरियल कसौटी जिंदगी की प्रेरणा बनकर फैंस के दिलों पर राज करने वालीं श्वेता दो बच्चों की मां हैं, लेकिन 44 वर्षीय इस अभिनेत्री की हॉटनेस वाकई काफी कमाल है। इस बीच सोशल मीडिया पर श्वेता तिवारी के बोल्ड फोटोशूट की कुछ तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं, जिनमें श्वेता स्लीवलेस ब्लाउज में कहर बरपाती नजर आ रही हैं।

श्वेता तिवारी का किलर लुक

छोटे पर्दे की मशहूर अदाकारा के तौर पर श्वेता तिवारी को जाना जाता है। वह ग्लैमर्स की दुनिया का वो नाम हैं, जो अपनी प्रोफेनल लाइफ के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा का विषय बनी रहती हैं। सिर्फ इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने ऑफि-शियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर करती रहती हैं।

श्वेता तिवारी का किलर लुक

छोटे पर्दे की मशहूर अदाकारा के तौर पर श्वेता तिवारी को जाना जाता है। वह ग्लैमर्स की दुनिया का वो नाम हैं, जो अपनी प्रोफेनल लाइफ के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा का विषय बनी रहती हैं। सिर्फ इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने ऑफि-शियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर करती रहती हैं।

श्वेता की इन तस्वीरों में उनका कर्वी फिगर कहर बरपाता हुआ नजर आ रहा है। वह असल जिंदगी में कितनी हॉट हैं, उसका अंदाजा इन तस्वीरों के जरिए असानी से लगाया जा सकता है। उनके इस हॉट फोटोशूट को देखकर आप भी अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे।

फैंस हुए श्वेता की अदाओं पर फिदा

सोशल मीडिया पर श्वेता तिवारी की इन हॉटनेस से भरी फोटोज को देखकर फैंस अपने रिएक्शंस देने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है कि आप तो नोरा फतेही को भी फेल कर रही हैं। इस तरह से तमाम यूजर्स ने उनकी फोटो पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

क्रिमिनल जस्टिस 4 की रत्ना रियल लाइफ में दिखती हैं बेहद हॉट!

ओटीटी लवर्स के बीच इन दिनों पंकज त्रिपाठी स्टारर वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस के सीजन 4 की चर्चा चल रही है। इसके हर नए एपिसोड के लिए लोगों को हर गुरुवार का इंतजार करना पड़ा। 8 एपिसोड वाली इस सीरीज को ओटीटी पर काफी पसंद किया गया और इसका फाइनल एपिसोड 3 जुलाई को आया। इससे ओटीटी पर तगड़ा रिस्पॉन्स मिला है। माधव मिश्रा के किरदार में पंकज त्रिपाठी नजर आए और उन्होंने अपने काम से सभी को इंप्रेस कर दिया।

रत्ना मिश्रा और माधव मिश्रा की जोड़ी हुई हिट

क्रिमिनल जस्टिस 4 में पंकज त्रिपाठी की ऑनस्क्रीन वाइफ रत्ना मिश्रा की खूब चर्चा चल रही है। इसमें उन्होंने सादगी और भोले-भाले स्वभाव से सभी का दिल जीत लिया है। इस किरदार की भूमिका एक्ट्रेस खुशबू अत्रे ने निभाई हैं। असल जिंदगी में एक्ट्रेस स्टाइलिश नजर आती हैं और उनके फैंस ड्रेसिंग सेंस के लिए उनसे इंस्पिरेशन लेते हैं। सीरीज के दौरान रत्ना अपनी ड्राइविंग को लेकर चर्चा में रहती हैं, क्योंकि वह शुरुआत में अच्छे से गाड़ी चलाना नहीं जानती हैं, लेकिन आखिरी एपिसोड में दिखाया गया कि रत्ना ने कार चलाने के तरीके से पति माधव मिश्रा को इंप्रेस कर दिया। इसके बाद उनके पति कार से लर्नर का स्टीकर हटा देते हैं।

रियल लाइफ में है खुशबू का ग्लैमरस अवतार

क्रिमिनल जस्टिस में रत्ना का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस खुशबू अत्रे रियल लाइफ में ग्लैमरस दिखती हैं। वह अपनी स्टाइलिश लुक से लोगों को दीवाना बना देती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस फैंस के साथ अपनी लेटेस्ट लुक की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिसे काफी पसंद भी किया जाता है।

सीरीज में उन्हें सूट के लुक में देखा गया, लेकिन एक्ट्रेस रियल लाइफ में वेस्टर्न ड्रेस भी कैरी करती हैं और इस तरह की आउटफिट में वह बला की खूबसूरत लगती हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि उनकी स्टाइलिश लुक की तस्वीरें देखकर उनके ऑन-स्क्रीन पति पंकज त्रिपाठी भी फैन हो जाएंगे। सोशल मीडिया पर उनके रोल पर मीम्स भी खूब बन रहे हैं। खासकर पंकज संग उनके डायलॉग कमाल के है।

जब कटरीना से ऑटोग्राफ लेने आईं जरीन खान एक्ट्रेस ने बनाया ऐसा मुंह, यूजर्स बोले- 'घमंड टपक रहा'

जरीन खान ने साल 2010 में सलमान खान के साथ फिल्मों में डेब्यू किया था और अपनी खूबसूरती के चलते वह छा गई थीं। उनकी तुलना कटरीना कैफ से की जाती थी क्योंकि लोगों का मानना था कि दोनों की शक्ल काफी हद तक मिलती है। जरीन खान और कटरीना कैफ ने कभी साथ में काम नहीं किया है, लेकिन दोनों एक बार आमने-सामने आ चुकी हैं। वीर एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कटरीना के साथ एक वीडियो शेयर किया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जरीन ने कटरीना से लिया था ऑटोग्राफ जरीन खान ने अपने हालिया पोस्ट में रिवील किया है कि वह कटरीना कैफ की बहुत बड़ी फैन थीं। उन्होंने कटरीना से मिलने का एक वीडियो शेयर किया है जो उस वक्त का है, जब जरीन एक्ट्रेस नहीं बनी थीं। बात 2008 की है, जब मुंबई में रेस मूवी का प्रीमियर था और फैन गर्ल जरीन कटरीना से ऑटोग्राफ लेने आई थीं। वीडियो में जरीन खान को मुस्कुराते हुए कटरीना कैफ से ऑटोग्राफ लेते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान पिंक साड़ी में वह काफी खूबसूरत लग रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए जरीन ने कहा, ₹ओह माय गॉड। यह वीडियो मिला और यादें अभी भी फ्रेश लगती हैं। मुझे यह पल याद है। रेस मूवी का प्रीमियर था।

रणवीर सिंह का विवादों से है गहरा नाता

कभी न्यूड फोटोशूट तो कभी आपत्तिजनक कमेंट से मोल ले चुके हैं आफत

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर स्टार रणवीर सिंह के लिए 6 जुलाई का दिन काफी खास होता है। दरअसल, वह इस डेट को अपना जन्मदिन मनाते हैं। साल 2025 की 6 जुलाई यानी आज रणवीर सिंह 40 साल के हो चुके हैं। इस खास दिन पर उनके तमाम चाहने वाले फैंस सोशल मीडिया के जरिए बधाई दे रहे हैं। रणवीर सिंह अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए तो जाने जाते हैं लेकिन उनका नाम विवादों से भी जुड़ता रहता है। एक्टर के जन्मदिन पर उनके अब तक के सबसे बड़े विवादों के बारे में आपको बताते हैं।

रणवीर सिंह ने अनुष्का शर्मा पर किया था ये कमेंट

रणवीर सिंह एक बार करण जौहर के शो कॉफी विद करण में पहुंचे थे। उनके साथ एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा भी थीं। इस शो के दौरान रणवीर सिंह ने अनुष्का शर्मा से कहा था, 'अगर तुम चाहती हो कि मैं तुम्हारे बम को पिंच करूं तो मैं यही हूं।' ये सुनकर अनुष्का शर्मा हैरान रह गईं। इसके बाद अनुष्का शर्मा ने रणवीर सिंह से कहा, 'मुझसे इस तरह से बात मत करो।'

रणवीर सिंह पर दर्ज हुआ था केस

रणवीर सिंह साल 2015 में शो एआईबी नॉकआउट रोस्ट में शामिल हुई थे। इस शो के दौरान काफी अश्लील कमेंट पास किए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में रणवीर सिंह समेत कई लोगों पर केस दर्ज किया गया था। यहां तक कि इस शो का वीडियो यूट्यूब से हटाया गया था।

रणवीर ने कराया था न्यूड फोटोशूट

रणवीर सिंह ने साल 2022 में एक मैगजीन के लिए न्यूड फोटोशूट करवाया था। उनके इस फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो मामला पुलिस तक पहुंच गया था। रणवीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस ने बुलाया था।

समंदर किनारे एक्ट्रेस का बोल्ड अंदाज

'सरदार जी 3' फेम और पंजाबी सिनेमा की ग्लैमरस क्वीन एक्ट्रेस नीरू बाजवा एक बार फिर चर्चा में हैं. इस बार वजह है, उनकी हालिया वेकेशन की तस्वीरें, जो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में इस बला की बोल्डनेस ने समंदर के पानी में आग लगा दी है। नीरू बाजवा ने इंस्टाग्राम पर समंदर किनारे अपनी कुछ बोल्ड और स्टनिंग फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो मोनोकिनी और ब्रा सेट में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में उनका कन्फिडेंस, स्टाइल और नेचुरल ग्लो देखते ही बन रहा है। नीरू की तस्वीरों को देखकर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं, एक यूजर ने लिखा, 'मैम, आपकी उम्र क्या है? आप तो हर साल और भी यंग लगने लगती हैं!' वहीं एक और फैन ने चुटकी लेते हुए कहा, 'लगता है आपने उम्र को रोक दिया है!' नीरू कभी पूल किनारे अपने कर्वी फिगर को फ्लॉन्ट करती दिख रहीं हैं, तो कभी समंदर किनारे रिलैक्स मूड में सेल्फी लेती नजर आती हैं। खासकर येलो और ऑरेंज ब्रा सेट में उनका लुक फैंस के दिलों पर सीधा असर डाल रहा है.

स्टाइल और फिटनेस दोनों में परफेक्ट

नीरू बाजवा न सिर्फ अपनी एक्टिंग से बल्कि अपने स्टाइल और फिटनेस से भी फैंस को इंस्पायर करती हैं, वो अकसर सोशल मीडिया पर अपने वेकेशन लुक्स, जिम रूटीन और ग्लैम फोटोशूट्स शेयर करती रहती हैं, जिन्हें लाखों लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं.

फिल्मों से लेकर सोशल मीडिया तक छाईं

बता दें, 'सरदार जी 3' में एक्ट्रेस ने लीड रोल प्ले किया हैं, और अब नीरू की ये समंदर किनारे की तस्वीरों ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है. फैंस उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं, कोई हार्ट वाल इमोजी तो कोई फायर इमोजी शेयर कर रहा है।

नोएडा-एनसीआर में हवाओं और बारिश से राहत

बारिश से ग्रेटर नोएडा में कई जगह ट्रैफिक जाम में फंसे लोग

दिल्ली/ नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा समेत पूरे एनसीआर में आज सुबह की शुरुआत तेज हवाओं और बारिश से हुई। सुबह करीब 5 बजे से ही बादलों की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी, माहौल ऐसा था कि मानो बादल बरसने को बेकरार हों। कुछ देर बाद करीब 5.30 बजे से पहले हल्की बारिश और फिर तेज हवाओं के साथ अच्छी बारिश शुरू हो गई।

दिल्ली और इसके आस-पास के इलाकों में मॉनसून ने तो अपने तय समय (30 जून) से पहले ही दस्तक दे दी थी। लेकिन अभी तक यहां अच्छी बारिश देखने को नहीं मिली थी। उम्मीद है कि दिल्ली-एनसीआर में अब मॉनसूनी बारिश का सिलसिला शुरू हो जाएगा। मौसम विभाग की माने तो आज सुबह के समय बिजली के साथ तूफान और हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला शुरू हो जाएगा। अब हालत ये है कि कई इलाकों में जलजमाव हो गया। ऑफिस के समय ट्रैफिक जाम की समस्या से भी जूझना पड़ सकता है।

वहीं, पूरे दिन आज ऐसा ही मौसम बने रहने के आसार हैं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। तापमान की बात करें तो आज न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। अगले दिन भी बारिश के साथ आंधी के आसार बने हुए हैं लेकिन इसकी तीव्रता में कमी देखी जा सकती है।

विद्युत विभाग के खिलाफ सेक्टर-56 निवासियों ने किया प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। अघोषित विद्युत कटौती से गुस्साए सेक्टर-56 के निवासियों ने सेक्टर-11 बिजली घर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाले लोगों ने विद्युत विभाग की कार्यशैली पर भी रोष जताया।

आरडब्ल्यूए सेक्टर-56 के अध्यक्ष संजय मावी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्युत विभाग द्वारा रोजाना बिना किसी कारण के कई-कई बार सेक्टर की बिजली काटी जा रही है जिससे लोग परेशान हैं। सुबह के समय पानी की सप्लाई के दौरान बिजली कटने से लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा दोपहर व रात्रि में भी अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है जिससे लोगों को इस भीषण गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई बार विद्युत विभाग में आरडब्ल्यूए द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई लेकिन समस्या का हल नहीं निकला विद्युत विभाग के एसडीओ हर बार आश्वासन देकर टरका देते हैं।

उन्होंने कहा कि सेक्टर में तार बदलने का कार्य पूरा नहीं किया गया है जबकि इसकी कम्पलीशन दिखा दी गई है। सेक्टर में अनेक विद्युत पोल जर्जर हालत में हैं। जो पोल बदले गए हैं वह भी कम्पलीट नहीं किए गए हैं। हाई टेंशन लाइंस बदलने का कार्य तीन महीने से धीमी गति से चल रहा है।। इस मौके पर अनेक सेक्टरवासी मौजूद थे।

एफडीडीआई में प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान

नोएडा (चेतना मंच)। फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान (FDDI), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में शैक्षणिक वर्ष 2024 और 2025 में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्रों को मान्यता देने और सम्मानित करने के लिए FDDI, नोएडा परिसर में 'प्रतिभा सम्मान' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में एनसीआर क्षेत्र के छात्रों, अभिभावकों और स्कूल प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 260 से अधिक छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रशंसा के प्रतीक के रूप में पदक, प्रमाण पत्र और उपहार बैग देकर सम्मानित किया गया। शीर्ष 10 उच्चतम स्कोर करने वालों को उनके प्रदर्शन के लिए विशेष ट्रॉफी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में अतिथि यूआईडीएआई के निदेशक नीरज सचदेवा और मावेन इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड के एमडी, सीईओ अनुज कुमार शर्मा थे, उन्होंने इस पहल की सराहना की और सही समय पर युवा प्रतिभाओं को मान्यता देने के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में एफडीडीआई के शैक्षणिक कार्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, उद्योग सहयोग और डिजाइन और फुटवियर क्षेत्रों में कैरियर के अवसरों पर एक जानकारीपूर्ण प्रस्तुति दी गई।

एफडीडीआई की कार्यकारी निदेशक सुश्री मंजू मन ने छात्रों की सराहना की और उन्हें बेहतर करियर की संभावनाओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

10वी एवं 12वीं के मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। सामुदायिक केंद्र सेक्टर-34 में फेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा विधासाइन एकेडमी के सहयोग से गत वर्षों की भाँति

सेक्टर-34 के 10वी एवं 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 56 विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक पुलिस आयुक्त नोएडा ट्विंकल जैन निदेशक उधान नोएडा आनन्द मोहन सिंह और उपमहाप्रबंधक नोएडा वी के रावल द्वारा आरडब्लूए की इस पहल की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

अध्यक्ष के के जैन एवं महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे सेक्टर के लिए बहुत बहुत ही गर्व की बात है कि हमारे सेक्टर में इतने मेधावी बच्चे हैं,सभी अभिभावकों एवं बच्चों को बधाई देते हुए बच्चों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस दौरान फेडरेशन आरडब्ल्यूए अध्यक्ष केके जैन, महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष कुलदीप मुंशी कोषाध्यक्ष एम सी भारद्वाज देवेंद्र कुमार, विद्यासाइन एकेडमी निदेशक अभिषेक राणा डॉ डी महापात्रा, सुरिंदर महाजन, कर्नल अतुल सरीन, बंटी चौधरी, संजय नागी, दीपाली पसारी, सुशांत भल, प्रदीप सिंह, अनिल शर्मा, केके भाटिया, शेखर शर्मा, संजीव महतो सहित काफी सेक्टर निवासी उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन मंच में पदाधिकारियों की नियुक्ति

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के ग्राम बम्हैटा के कैम्प कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन मंच के नवीन यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, सुनील यादव जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में संगठन को मजबूत करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय किसान यूनियन मंच के जिला महामंत्री रिंकू जाटव ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य हैं अपने संगठन को मजबूत करना और अपने संगठन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को जोड़ने का काम करेंगे।

कार्यक्रम में शिवम यादव जिला उपाध्यक्ष हापुड़, भरत शर्मा को युवा जिला उपाध्यक्ष गाजियाबाद, मोहम्मद कामिल जिला उपाध्यक्ष गाजियाबाद सभी को प्रमाण पत्र देकर मनोनीत किया गया।

इस कार्यक्रम में शामिल हुए प्रमोद पाल, शिवम यादव, भरत शर्मा, फरमान, मनी यादव, शाहरूख, जानूँ चौधरी, दुष्यंत, अक्षय गुप्ता, नवीन यादव प्रदेश उपाध्यक्ष,सुनीता यादव जिला अध्यक्ष, मोहम्मद कामिल उपस्थित रहे।

सपा की बैठक में बूथ सत्यापन अभियान की समीक्षा

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने सेक्टर-70 में महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में पिछड़ा प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष वीरपाल प्रधान के नेतृत्व में मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बूथ सत्यापन अभियान की समीक्षा की गई। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि नोएडा महानगर में समाजवादी पार्टी का बूथ सत्यापन अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों और कार्यशैली से प्रभावित होकर भारी संख्या में लोग उत्साहित होकर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं।

प्रदेश सचिव सुनील चौधरी व जयकरण चौधरी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों से आज आम जनता पूरी तरह से प्रताड़ित है।

महासचिव विकास यादव ने कहा कि बेलगाम होती महंगाई और बेरोजगारी पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। प्रदेश सचिव मनोज चौहान व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता को नहीं बल्कि पूंजी पतियों को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है।

बैठक में प्रदेश सचिव भरत प्रधान, महासचिव विकास यादव, सुनील चौधरी, महकार तंवर, बबलू चौहान, मनोज चौहान, जय करण चौधरी, गौरव कुमार यादव, विवेक यादव,मुकेश यादव, टीटू यादव,वीरपाल प्रधान, जयवीर बाबा, योगेश भाटी, बबली शर्मा, राम सहेली, नीरज, भानु प्रताप, लोकेश यादव,बब्बू यादव ,गौरव यादव, सतवीर यादव, नकुल चौहान,वीर बहादुर, रंजीत पटेल, कृपा शंकर यादव,राकेश यादव,नीतीश चौहान, ऋषभ यादव, शिवकुमार यादव, रेणुका मेथी, विश्वास मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कर्बला के शहीदों की याद में निकाला मोहर्रम का जुलूस

नोएडा (चेतना मंच)। मोहर्रम का जुलूस सेक्टर-8 जामा मस्जिद से शुरू होकर सेक्टर 9,

बांस बल्ली मार्किट, बैंक ऑफ इंडिया से सेक्टर 21 स्टेडियम चौराहा, सेक्टर 12 शिमला पार्को, स्वानी फर्नीचर सेक्टर 10, सेक्टर 11 झुंडपुरा होते हुए सेक्टर 8 कोहली धर्म कांटा से पानी टंकी सेक्टर 5 हरोला के सेक्टर 4 के पार्क में सभी अखाड़ा का जुलूस पहुंचा व उनके बाद सभी अखाड़ा वापस अपने स्थान पर पहुंचकर समापन किया गया।

नोएडा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन ने कहा कि मुहर्रम, हज़रत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए अन्याय के खिलाफ उनकी लड़ाई और सच्चाई के साथ मजबूती से खड़े रहने का संदेश हम सबको प्रेरणा देता है। मुहर्रम के अवसर पर कर्बला के शहीदों एवं हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानियों को याद किया जाता है। उन्होंने मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने पर नोएडा पुलिस प्रशासन के सहयोग की भी सराहना की।

इस मौके पर अखाड़ा खलीफा मुन्ना आलम खलीफा, रुबि खान, खलीफा ,तनवीर हुसैन ,दाऊद खान, मोहम्मद गुड्डू,ओसाम,साहिल, फिरोज़ ,इंतजामिया अखाड़ा, फकर अली खलीफा, अंजार ,जियाउल मास्टर खलीफा, तनवीर हुसैन खलीफा, रहमानिया अखाड़ा फिरोज खलीफा, बच्चा अखाड़ा, इस्लामिया अखाड़ा, गोसिया अखाड़ा व हुसैनिया अखाड़ा व अन्य सभी अखाड़ों का जुलूस एक साथ एकजुट होकर निकाला इस मौके पर मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता, समाजवादी पार्टी महासचिव विकास यादव, सीटू जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महानगर कांग्रेस नोएडा पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन,अली हसन,उम्मर, युनुस अल्वी, खलीफा गुड्डू शाह, मास्टर शरीफ खलीफा, बाबू प्रधान,सबा करीम,जावेद खान, ओसामा आलम,इकरार नवी,राजा, गुलाम रसूल,गुलाब, अकबर ,मुस्लिम, नौशाद, शमशाद, महताब, सलमान, प्रवेज, शकील, मोहम्मद, युनुस, साकिर, आमिर, पिंस, बबलू अल्वी, शौकत अल्वी, सकूंर, बबलू, अनीश, मुमताज, वाहिद, अमजत हुसैन, कल्लू अंकल, हासिम व अन्य लोग मौजूद रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com